INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

# यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-97 | सांध्य दैनिक | मथुरा, बुधवार, 3 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

### मिलकर होगा जाम और अतिक्रमण पर प्रहार

# चार विभागों की टीमें वृंदावन को दिलाएंगी जाम से मुक्ति

वृंदावन में विद्यापीठ चौराहा के निकट जाम में फंसे वाहन।

## वृंदावन में जाम की वजह यह भी

वृंदावन में सड़क किनारे अतिक्रमण, दुकानदारों द्वारा फुटपाथ और सड़क के हिस्से पर सामान रखने की आदत, अस्थायी ठेले, रेहड़ी और अनाधिकृत निर्माण भी जाम का बड़ा कारण हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों के वाहन भी जाम की समस्या को बढ़ाते हैं। ई–रिक्शा और छोटे वाहनों की अधिकता भी जाम की वजह है।

## अब यह विभाग मिलकर करेंगे काम

अब वृंदावन नगरी को जाम ओर अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए धरातल पर काम होगा। नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा ने बताया कि वृंदावन के लिए खास योजना बनाई है। अब नगर निगम, एमवीडीए, राजस्व और पुलिस विभाग मिलकर इसी सप्ताह से वृंदावन को जाम और अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने का काम शुरू करेंगे।

## सभी विभाग संयुक्त रुप से काम करेंगे: डीएम

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह का कहना है कि वृदावन को जाम और अतिक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए विस्तृत कार्य योजना बनाई गई है, चार विभागों को इसमें शामिल किया गया है। सभी विभाग संयुक्त रुप से काम करेंगे। इस काम की प्रतिदिन समीक्षा भी होगी।

## वृंदावन में अतिक्रमण भी हटेगा, श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत

**यूनिक समय, मथुरा।** बांकेबिहारी के धाम वृंदावन आने वाले श्रद्धालुओं को जाम और अतिक्रमण से राहत दिलाने का काम होगा। चार विभाग एक साथ मिलकर जाम और अतिक्रमण पर हल्ला बोलेंगे। इसी सप्ताह से जाम और अतिक्रमण का काम तमाम करने को अधिकारी धरातल पर काम कराने को मैदान संभालेंगे। समस्या का समाधान करने को विस्तृत योजना भी तैयार की गई है। वृंदावन में जाम और अतिक्रमण की समस्या कोई नई नहीं है, लेकिन दो हजार के दशक के बाद यह समस्या और अधिक गंभीर होने लगी है। वजह वृंदावन का तेजी से शहरी विस्तार, धार्मिक पर्यटन और तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि,नए आवासीय और व्यावसायिक निर्माण के अलावा वाहनों, विशेषकर ई–रिक्शा और निजी कारों की बढ़ती संख्या भी है। वृंदावन में जाम और अतिक्रमण की समस्या के पीछे तीर्थयात्रियों और पर्यटकों की बढ़ती संख्या है। त्योहारों और छुट्टियों के दौरान यह संख्या कई गुना बढ़ जाती है, जिससे सड़कें क्षमता से अधिक दबाव झेलती हैं।

## यहां तैनात रहकर काम करेंगी टीम

वृंदावन को काफी समय पुरानी समस्या से राहत दिलाने को चार विभाग की चार टीमें बनाई बनेंगी। यह टीम छटीकरा से रमण रेती, रमण रेती से केसी घाट, रमणरेती से विद्यापीठ और अन्य परिक्रमा मार्ग में तैनात रहेंगी। यह टीम चिन्हित स्थानों से अतिक्रमण हटवाकर जाम से निजाम दिलाने का काम करेंगी।

# हाईकोर्ट ने मांगी पंचायत चुनाव की तारीख

## ग्राम प्रधानों को प्रशासक बनाने को चुनौती मामले में हाईकोर्ट सख्त

## 10 जुलाई तक सरकार पेश करे पिछड़ा वर्ग आरक्षण की रिपोर्ट

**यूनिक समय, लखनऊ।** ग्राम पंचायतों में कार्यकाल समाप्त होने के बाद प्रधानों को ही प्रशासक बनाने पर हाईकोर्टने कड़ा रूख अपनाया है। याचिका पर सुनवाई करते हुए यूपी सरकार से 10 जुलाई तक पिछड़ा वर्ग आरक्षण से जुड़ी आयोग की रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है। इसके अलावा राज्य निर्वाचन आयोग से पंचायत चुनाव की तारीख बताने को कहा है।

प्रदेश की ग्राम पंचायतों के प्रधानों का कार्यकाल बीते माह 26 मई को पूरा होने के बाद उन्हें इनमें प्रशासक नियुक्त करने के मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य निर्वाचन आयोग से पूछा कि प्रदेश में ग्राम पंचायतों के चुनाव कब कराएंगे।

चुनाव की तिथि भी अगली सुनवाई पर बताने को कहा है। अदालत ने राज्य सरकार को भी पंचायत चुनाव के मद्देनजर गठित समर्थित अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट भी अगली सुनवाई पर 10 जुलाई को पेश करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति अबधेश कुमार चौधरी की खंडपीठ ने बुधवार को यह आदेश ओमप्रकाश प्रजापति की जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद दिया। गौरतलब है कि हाल ही में प्रदेश की ग्राम पंचायतों के प्रधानों का कार्यकाल पूरा होने पर राज्य सरकार ने आदेश जारी करके प्रधानों को ही उनकी ग्राम पंचायतों में बतौर प्रशासक नियुक्त कर दिया है।

# वाहन मालिकों को राहत, टैक्स में मिलेगी बड़ी छूट

## बकाया कर पर 35 प्रतिशत रियायत, दो माह तक लागू रहेगी योजना

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यवसायिक वाहन स्वामियों को बड़ी राहत देते हुए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में लिए गए इस फैसले के तहत बकाया मूल कर पर 35 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी, जबकि जुर्माने की पूरी राशि माफ कर दी जाएगी। सरकार का उद्देश्य लंबे समय से लंबित कर मामलों का निस्तारण करना और वाहन मालिकों को आर्थिक राहत प्रदान करना है। योजना अधिसूचना जारी होने की तिथि से दो माह तक प्रभावी रहेगी। परिवहन विभाग के अनुसार, प्रदेश में लाखों व्यवसायिक वाहनों पर करोड़ों रुपये का कर बकाया है। नई योजना के तहत वाहन स्वामी केवल शेष बकाया राशि जमा कर लाभ उठा सकेंगे। सरकार को उम्मीद है कि इस कदम से लंबित राजस्व की वसूली तेज होगी और वाहन मालिकों को भी बड़ी राहत मिलेगी।

### बच्चों में बढ़ा रेंजर साइकिल का क्रेज, कीमतों में भी आया उछाल

# सेहत और जेब को संवार रही साइकिल की सवारी

**यूनिक समय, मथुरा।** तेजी से भागती जिंदगी और बढ़ते पेट्रोल–डीजल के खर्च के बीच साइकिल एक बार फिर लोगों की पसंद बनती जा रही है। कभी हर घर की जरूरत मानी जाने वाली साइकिल आज भी सेहत, बचत और पर्यावरण के लिए सबसे अच्छा साधन साबित हो रही है।

विश्व साइकिल दिवस पर शहर के लोगों ने साइकिल से हो रहे फायदों को खुलकर बताया और इसे दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने की बात कही। सुबह होते ही शहर की सड़कों, कॉलोनियों और पार्कों के आसपास साइकिल चलाने वालों की संख्या बढ़ती दिखाई दे रही है। युवा फिटनेस के लिए साइकिल चला रहे हैं तो बुजुर्ग इसे

स्वास्थ्य का आसान उपाय मान रहे हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि साइकिल चलाने में न पेट्रोल का खर्च है और न ही किसी बड़ी देखभाल की जरूरत पड़ती है।

औरंगाबाद निवासी राम सिंह बताते हैं कि साइकिल सबसे किफायती सवारी है। एक बार खरीदने के बाद इसमें ज्यादा खर्च नहीं करना पड़ता। पेट्रोल भरवाने की चिंता नहीं रहती और शरीर भी अच्छा रहता है। उनका कहना है कि साइकिल चलाने से हाथ–पैरों की अच्छी कसरत हो जाती है। साथ ही किसी काम से बाहर जाना हो तो रुपये के लिए घरवालों की ओर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

चावला साइकिल के स्वामी सैंकी चावला ने बताया कि पहले साधारण साइकिलों की बिक्री ज्यादा होती थी, लेकिन अब बच्चों में रेंजर साइकिल का क्रेज बढ़ गया है। गर्मी की छुट्टियों में अभिभावक बच्चों के लिए साइकिल खरीदने रहे हैं। उन्होंने बताया कि मई माह के बाद साइकिलों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। 22 इंच की साधारण साइकिल करीब 400 से 500 रुपये तक महंगी हो गई है। इसके बावजूद बिक्री पर ज्यादा असर नहीं पड़ा है। लोग आज भी साइकिल को उपयोगी और जरूरी साधन मानकर खरीद रहे हैं।

# छोटी गोशालाओं पर चलेगी सरकार की कैंची, बढ़ी चिंता

**यूनिक समय, मथुरा।** जिले की आठ छोटी गोशालाओं में रहने वाले संरक्षित गोव को अब बड़े गो संरक्षण केंद्रों में भेजा जाएगा। प्रदेश सरकार ने 100 से कम गोवंश वाली अस्थायी गोशालाओं को बंद कर उनके गोवंशों को नजदीकी बड़ी गोशालाओं में स्थानांतरित करने का फैसला लिया है। शासन का कहना है कि इससे गायों की देखभाल, चारे–पानी और इलाज की व्यवस्था बेहतर हो सकेगी।

सरकार की समीक्षा में सामने आया है कि प्रदेश में कई बड़े गो संरक्षण केंद्र ऐसे हैं जिनकी क्षमता 400 गोवंश रखने की है, लेकिन

वहां काफी जगह खाली पड़ी है। दूसरी ओर छोटी गोशालाओं में कम संख्या में गोवंश होने के कारण संसाधनों का सही उपयोग नहीं हो पा रहा है। इसी वजह से अब छोटी गोशालाओं का युक्तिकरण किया जा रहा है।

जिले में नरौली जुनारदार गोशाला

## जिले की आठ गोशालाओं के गोवंशी होंगे शिफ्ट

की 51, ततरौता की 55, मुईद्दीनपुर की 60, रॉकौली की 68, जिरौली की 70, लाडपुर की 80, तेहरा की 81 और नसीटी गोशाला की 84 गायों को चरणबद्ध तरीके से दूसरी बड़ी गोशालाओं में भेजा जाएगा। यह पूरी प्रक्रिया जिला स्तरीय समिति की मंजूरी के जल्द ही की जाएगी। शासन ने निर्देश दिए हैं कि जिन गोशालाओं में 100 से कम गोवंश हैं, उनकी सूची तैयार कर वहां के गोवंशों को नजदीकी वृहद गो संरक्षण केंद्रों में भेजा जाए। खासकर वे गोशालाएं जहां गोवंशों की संख्या बहुत कम है या चारे और गोचर भूमि की समस्या है, उन्हें प्राथमिकता दी जाएगी। गायों के स्थानांतरण के दौरान हर गोवंश का टैग नंबर दर्ज किया जाएगा और पूरी जानकारी गो आश्रय पोर्टल पर अपडेट की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनएन शुक्ला ने बताया कि इस व्यवस्था से गोवंशों की निगरानी आसान होगी और उनकी देखभाल पहले से बेहतर तरीके से हो सकेगी।

# जनगणना राष्ट्र का काम, सभी निभाएं योगदान: डीएम

बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश देते डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, साथ हैं एडीएम वित्त पंकज वर्मा।

**यूनिक समय, मथुरा।** डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने कहा है कि जनगणना राष्ट्र से जुड़ा काम है, इसलिए सभी इसमें योगदान निभाएं। घर आने वाले प्रगणकों को सही जानकारी दें, जिससे विकास से जुड़ी योजनाएं सही से बन सकें। उन्होंने कृषक दुर्घटना के संबंध के किसानों को दिए जाने वाले लाभ/सहायता धनराशि को समय से भुगतान करने को भी कहा।

डीएम ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए भूमि विवाद निस्तारण, आईजीआरएस, न्यायालय/कोर्ट संदर्भ, राजस्व वसूली, फैमिली आईडी, फॉर्मर्स आईडी, कृषक दुर्घटना, जनगणना 2027 आदि की समीक्षा की। उन्होंने फॉर्मर्स आईडी के कार्यों को पूर्ण कराने के लिए भी सख्त निर्देश दिए। बैठक में एडीएम वित्त– राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, एडीएम न्यायिक वेद प्रिय आर्य, एसडीएम सदर आदेश कुमार, मांट दीपिका मेहर, महावन ऊषा सिंह, छाता वैभव गुप्ता, गोवर्धन सुशील कुमार सिंह सहित सभी डिप्टी कलेक्टर, तहसीलदार और नायब तहसीलदार उपस्थित रहे।

## भरतपुर पुल से नीचे गिरने से बचा ट्रक

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना हाइवे क्षेत्र में दो दिन पूर्व एक भयंकर हादसा होने से टल गया। भरतपुर वाले पुल से एक ट्रक नीचे गिरने से बच गया। पुलिस ने ट्रक को क्रेन की मदद से उठवाया।

बताया गया है कि थाना हाइवे क्षेत्र स्थित भरतपुर वाले रेलवे पुल से एक ट्रक अनियंत्रित होकर नीचे गिरने लगा। रैलिंग में फंसने के कारण ट्रक नीचे गिरने से बच गया।

इस दृश्य को देख लोगों को रौंगटे खड़े हो गए। पुलिस ने क्रेन की सहायता से ट्रक को निकलवाया। इस दौरान कुछ देर के लिए रोड पर जाम भी लगा रहा।

# अभी राहत दे सकता है मौसम, वर्षा के आसार

**यूनिक समय, मथुरा।** 25 मई से शुरू हुए नौतपा तो मंगलवार को समाप्त हो गए। नौतपा के बीच में ही सक्रिय हुए पश्चिमी विक्षोभ के चलते पिछले तीन–चार दिन बारिश हुई। अभी पश्चिमी विक्षोभ का असर इस हफ्ते भी देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने छह जून तक आंधी और बारिश के आसार जताए हैं।

नौतपा के पहले दिन जिले भीषण गर्मी पड़ी थी, दिन का पारा 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। हालांकि, उसी दिन पश्चिमी विक्षोभ का असर रात में देखने को मिला और बारिश शुरू हो गई। अब बुधवार को बारिश तो नहीं हुई, लेकिन बादलों की आवाजाही ने सूरज की तपिश

## छह जून तक आंधी और बारिश की संभावना

बहुत अधिक नहीं बढ़ने दी। अधिकतम तापमान 38.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से चार डिग्री कम है। न्यूनतम पारा 27.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से .8 डिग्री कम है। मौसम वैज्ञानिक नरेंद्र कुमार ने बताया कि अगले तीन– पांच दिन हल्के से मध्यम बादल रहेंगे। हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। अधिकतम तापमान 37 से 39 डिग्री और न्यूनतम पारा 28 से 20 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। उत्तर–पूर्व दिशा से 18 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से हवा चलने की संभावना है। किसानों को सलाह दी कि वर्षा ऋतु में पौधरोपण के लिए गड्ढों की उचित दूरी पर खुदाई करें। रबी फसलों की मड़ाई उपरांत खाली खेतों से मृदा नमूना लेकर मिट्टी का परीक्षण जरूर कराएं।

## उमस से परेशान नजर आए लोग

बुधवार को वैसे दिन में कई बार आसमान पर बादल छाए, इससे गर्मी का असर अधिक नहीं रहा। सुबह से शाम तक आसमान साफ रहने से खिली धूप उमस बढ़ाती रही, जिससे लोग परेशान होते रहे।

## वार्डों में लगेंगे शिविर परिवार पहचान पत्र के लिए होंगे ऑनलाइन आवेदन

**यूनिक समय, मथुरा।** नगर निगम मथुरा–वृंदावन क्षेत्र में रहने वाले परिवारों के लिए शासन की महत्वाकांक्षी फैमिली आईडी–एक परिवार, एक पहचान योजना के तहत विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे। शिविरों में परिवार पहचान पत्र बनवाने के लिए ऑनलाइन आवेदन किए जाएंगे, जिससे पात्र परिवारों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सुविधा मिल सके। नगर निगम प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार, तीन जून से 18 जून तक नगर निगम के विभिन्न वार्डों में निर्धारित तिथियों पर शिविर लगाए जाएंगे। इसके लिए कंप्यूटर ऑपरेटरों की वार्डवार ड्यूटी लगाई गई है। संबंधित कर्मचारी प्रतिदिन अपने निर्धारित वार्ड में पहुंचकर क्षेत्रीय पार्षदों, राजस्व निरीक्षकों, स्वच्छता निरीक्षकों और सफाई पर्यवेक्षकों के समन्वय से शिविर संचालित करेंगे।

# टीजीटी परीक्षा में बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रहे अनुपस्थित

**यूनिक समय, मथुरा।** उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग प्रयागराज द्वारा आयोजित प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) परीक्षा बुधवार को जिले के 13 परीक्षा केंद्रों पर हुई। दो पालियों में आयोजित परीक्षा की पहली पाली सुबह 9:30 बजे से 11:30 बजे तक हुई। इसमें 5652 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 1461 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 4191 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। वहीं दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक आयोजित की गई। इस पाली में 5569 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 1650 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जबकि 3919 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा और व्यवस्थाओं के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे।

## तापमान / मौसम

39 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

28 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

## सोना–चांदी भाव

**सोना**
24 कैरेट 1,56,370
22 कैरेट 1,43,339
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

**चांदी**
2,90,000 प्रति किलो

## हंसता आईना

## यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

**कार्यालय:**- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

**फोन नंबर**-0565-2420150,
**मो.** 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

### धार्मिक नगरी भी विदेशी नशे की गिरफ्त में

# ओजी ड्रग्स के साथ पकड़ी गई युवती दे रही संकेत

## गांजे की तो हर धार्मिक कस्बा में हो रही बिक्री

**यूनिक समय, मथुरा।** लगता है कि विदेशी ड्रग सप्लायरों ने अब धार्मिक नगरी के युवकों को भी नशे के रंग में रंगने की तैयारियां शुरू कर दी है। थाईलैंड में बिकने वाले ओजी ड्रग्स के साथ पकड़ी गई एक युवती और दो लोगों के गिरफ्तारी इस बात की ओर इशारा कर रही है।

विदेशी नशा माफियाओं ने भारत की धार्मिक नगरी मथुरा–वृंदावन के युवाओं में भी नशे की लत लगाने के लिए अपनी पैंठ बनाना शुरू कर दिया। इस बात की पुष्टि जैंत पुलिस द्वारा जम्मू की रहने वाली एक युवती और दो युवकों को गिरफ्तार किए जाने से होती है। युवती के पास से थाईलैंड में नशे के लिए बिकने वाली प्रचलित ओजी यानि ओसियन ग्रीन टीएच एस आई ड्रग्स इस ओर इशारा करती है कि

विदेशी नशा माफियाओं की नजर अब धार्मिक नगरी पर भी है। युवती को नशा सप्लाई करने वाले गैंग के तार विदेशों से निश्चित ही जुड़े होने की संभावना है। इस पर कुछ लोगों का कहना है कि अभी यहां थोड़ी मात्रा में विदेशी ड्रग्स ट्रॉयल के रुप में भेजी गई है। नशा करने वाले युवा वर्ग को अगर इस नशे की लत लग जाएगी तो उन्हें देश में बिकने वाले नशे के स्थान पर विदेशी ड्रग्स ही हर कीमत पर खरीदनी होगी। यह धार्मिक नगरी के युवाओं को बरबाद करने की एक गहरी साजिश हो सकती है। धार्मिक नगरी में नशे का कारोबार जिस तेजी के साथ बढ़ रहा है। यह किसी से छिपा नहीं है। पुलिस आए दिन गांजा और दूसरे नशों की बिक्री और आपूर्ति करने वाले लोगों को गिरफ्तार करती है। धर्म नगरी में वृदावन के अलावा गोवर्धन, राधाकुंड नंदगांव, बरसाना गोकल और बल्देव जैसे प्रसिद्ध स्थान हैं। इन स्थानों पर नशे का कारोबार करने वालों की निगाह है। पुलिस भी भारी मात्रा में मादक पदार्थों को बरामद कर गैंग के सदस्यों को गिरफ्तार करने के बाद इस धंधे से जुड़े मैन माफियाओं तक पहुंचने की बात कहती है, लेकिन इसके बाद अभी तक पुलिस ने किसी सरगना को ना तो गिरफ्तार किया है और न ही उनके बारे कोई जानकारी जुटाई है।

## अवैध गांजे के साथ गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** राया पुलिस ने एक युवक को 661 ग्राम गांजे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के दौरान चेकिग में मथुरा – बरेली हाईवे पर हुलू को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त पुष्पेंद्र निवासी ग्राम बिरहना थाना राया को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 661 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

## 162 ग्राम नशीले पाउडर के साथ एक गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** महावन पुलिस ने बरेली हाइवे से गैला बाबा मस्जिद महावन को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त रामगोपाल निवासी नगला पूनी थाना बागवाला जिला एटा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 162 ग्राम अवैध नशीला पाउडर (डायजापाम) बरामद कर उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट के तहत कर्रवाई की है।

# छत्तीसगढ़ से मथुरा पहुंची कृष्ण की भक्ति में लीन किशोरी

**यूनिक समय, मथुरा।** श्रीकृष्ण की भक्ति में लीन किशोरी छत्तीसगढ़ से मथुरा आ गई। मथुरा जंक्शन पर इधर–उधर भटकती किशोरी को जीआरपी ने बरामद कर लिया। किशोरी के गायब होने की गुमशुदगी रायपुर छत्तीसगढ़ के थाने में दर्ज थी।

जंक्शन रेलवे स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था में कार्यवाहक थाना प्रभारी ललित भाटी के नेतृत्व में जीआरपी की टीम बुधवार को गश्त कर रही थी। टीम को जंक्शन परिक्षेत्र में एक16 वर्षीय किशोरी भटकती दिखाई दी। महिला सिपाही शशि यादव ने किशोरी को इस तरह अकेले इधर–उधर आते जाते देखा तो कि शोरी से उसके बारे में पूछा तो वह कोई जवाब नहीं दे सकी। किशोरी को थाने लाकर उसे विश्वास में लेकर पूछताछ की तो उसने

## स्टेशन से जीआरपी ने परिवार को सूचना देकर की सुपुर्द

बताया कि वह छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले की रहने वाली है। वह भगवान की भक्ति करने के लिए घर से यहांआई है। महिला सिपाही ने किशोरी के परिजनों का नम्बर लेकर उन्हें इस बारे में सूचना दी। परिजनों ने बताया कि किशोरी की रायपुर थाने में गुमशुदगी दर्ज है।

सूचना के बाद परिजन उसे लेने जीआरपी थाने पहुंच गए। प्रभारी ललित भाटी ने बताया कि किशोरी भगवान की भक्ति के लिए घर से निकल आई थी। उसे सकुशल परिजनों को सौंप दिया गया है।

# आत्महत्या को प्रेरित करने वाले युवक को सात साल की कैद

**यूनिक समय, मथुरा।** अपर जिला एंव सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय कक्ष संख्या–2 सुशील कुमार ने किशोरी को आत्महत्या् के लिए मजबूर करने के मामले में अभियुक्त को सात साल का सश्रम कारावास और 25 हजार के अर्थदंड से दंडित किया।

मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक शासकीय अधिवक्ता नरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि थाना सुरीर के एक गांव में एक युवक द्वारा परेशान करने और दी जाने वाली धमकियों से परेशान होकर किशोरी ने परिवार को बताने के बाद युवक के डर से कमरे में फांसी लगा कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। इस मामले में किशोरी के पिता ने गांव के भीकम जाटव चक्की वाले के खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई। कहा कि गांव के भीकम जाटव ने पिछले काफी दिनों से उसकी बेटी को मानसिक रुप से परेशान

## पच्चीस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

## युवक की धमकी के कारण किशोरी ने लगाई थी फांसी

कर रखा था। फोन पर आए दिन धमकी देकर डराता और कहता कि तू अगर उसके इशारों पर नहीं चलेगी और वह उसे जहां बुलाए वहां नहीं आई तो, वह उसकी पिता और भाई की हत्या कर देगा। 26 मई 2019 को बेटी ने उसे बताया कि भीकम उसे परेशान और ब्लैकमेल करता है। वह पिता-भाई को जान से मारने की धमकी दे रहा है। पिता ने उसे समझाया और भीकम की शिकायत करने का भरोसा दिया, लेकिन पुत्री भीकम की धमकियों से इतनी भयभीत थी कि सायं को कमरे में पंखे से लटक कर फांसी लगा ली। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने इस मामले में अभियुक्त के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया।

मुकदमे की सुनवाई अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश त्वरित न्यायालय कक्ष संख्या–2 सुशील कुमार के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और सहायक शासकीय अधिवक्ता के तर्कों के आधार पर अभियुक्त भीकम को दोषी ठहराते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

# महावन पुलिस ने तीन गैंगस्टर किए गिरफ्तार

**यूनिक समय, मथुरा।** महावन पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे तीन गैंगस्टरों को उनके घर पर दबिश देकर गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहे अभियुक्त आकाश उर्फ मारिया उर्फ सरिया निवासी डालू की दुकान के पास दामोदरपुर थाना राया, विशाल निवासी गोकुल बिहार कॉलोनी औरंगाबाद थाना सदर बाजार और परवेज निवासी बड़ा कसाई पाड़ा थाना सदर बाजार को घरों से दबिश देकर गिरफ्तार किया है।

## हत्या के मामले में अभियुक्त की जमानत खारिज

**यूनिक समय, मथुरा।** सत्र न्यायाधीश विकास कुमार ने थाना रिफाइनरी के राधाटाउन में फ्लेट को लेकर हुए झगड़े में गजेंद्र सिंह की हत्या के आरोपी की जमानत खारिज कर दी। जिला शासकीय अधिवक्ता शिव राम सिंह तरकर ने बताया कि राधाटाउन के एक फ्लेट में रहने वाले गजेंद्र सिंह कुशवाह अपने निचले वाले फ्लेट को खरीदना चाहते थे। फ्लेट में विष्णु और उसका परिवार रह रहा था। इस बात को लेकर दोनों के बीच रंजिश चल रही थी। 14 दिसंबर 2025 को विष्णु आदि ने गजेंद्र सिंह कुशवाह की गोली मारकर हत्या कर दी। इस मामले में विष्णु आदि एफआईआर में नामजद थे। विष्णु ने अपनी जमानत के लिए वकील के माध्यम से जमानत प्रार्थना पत्र जिला एंव सत्र न्यायाधीश की अदालत में लगाया था। प्रार्थना पत्र में विष्णु के वकील ने उसे झूंठा फंसाए जाने आदि के तर्क दिए थे। जिला जज ने शासकीय अधिवक्ता के तर्क सुनने के बाद जमानत को खारिज कर दिया।

# डडीसरा में की मारपीट चार लोग घायल

**यूनिक समय,सुरीर।** गांव डडीसरा में दुकान से सामान लेने गई युवती से की गई मारपीट की शिकायत करना महंगा पड़ गया। युवती के घर पर आकर गाली गलौच करते हुए की मारपीट में चार लोग घायल हो गए। मामले में चार हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

गांव डडीसरा निवासी एकता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि मंगलवार को बहन वैष्णवी घर का सामान लेने दुकान पर गई थी। तभी गांव के युवक शिवम ने मारपीट कर दी। मारपीट की शिकायत करने वह और ज्योति उसके घर गये। इस

## चार हमलावरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

पर शिवम, विवेक, बुल्ला, पप्पू एक राय होकर उनके घर पर आएं और गालियां देते हुए लाठी, डंडा, बेल्ट से मारपीट की।

मारपीट में एकता, ज्योति, शीतल, ओमप्रकाश घायल हो गए। सुरीर पुलिस का कहना है कि घायलों को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया। तहरीर पर चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

# जमीनी विवाद सुलझाने को धरातल पर उतरेगा प्रशासन

## मथुरा की पांचों तहसीलों में पुर्नजीवित हो गए हैं 67 सौ प्रकरण

## एडीएम करेंगे मानीटिरिंग, प्रशासन करेगा समस्या समाधान का काम

**यूनिक समय, मथुरा।** जमीनी विवाद से जुड़े मामलों का अब निपटाने का काम होगा। निस्तारण के बाद असंतुष्ट दर्ज कराने वाले मामलों की भी जांच होगी। प्रकरण की गंभीरता के अनुसार प्रशासन विवाद को सुलटाने को जुटेगा। 31 जून तक ऐसे जमीनी विवाद से जुड़े प्रकरण निपटाए जाएंगें। इस काम की मानीटिरिंग का दायित्व एडीएम संभालेंगे। जिले की पांचों तहसीलों में इस समय करीब 67 सौ जमीन से जुड़े मामले शासन स्तर पर

चंद्रप्रकाश सिंह, डीएम

चिन्हित किए गए हैं, जिनको अब श्रेणी वार बांटा गया है। इसके लिए जिले में 31 जून तक विशेष अभियान चलेगा। एक अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक के ऐसे जमीन से जुड़े मामलों को धरातल पर सुलटाने को प्रशासन काम करेगा। निस्तारण के दौरान प्रकरण की गंभीरता को भी देखा जाएगा। डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि इस काम की मानीटिरिंग का जिम्मा एडीएम को दिया गया है, जो तहसीलों में इस अवधि के दौरान जमीन से जुड़े मामलों की समीक्षा करेंगे।

### गड़बड़ी का भी लगेगा पता

इस अभियान के दौरान पूर्व में निस्तारित किए गए जमीनों से जुड़े मामलों में हुई गड़बड़ी का भी पता चलेगा। गड़बड़ी सामने आने पर संबंधित कर्मचारी–अधिकारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। जिले से जुड़े यह 67 सौ प्रकरण शासन स्तर पर पुर्नजीवित किए गए हैं। अब ऐसे मामलों को सुलटाने के लिए सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार और डिप्टी कलेक्टरों को जुटाया जाएगा। विवादों को सुलटाने के लिए तहसील स्तर पर टीमें बनाई जाएंगी।

### किस तहसील में कितने जमीन प्रकरण

अभियान के अंतर्गत आईजीआरएस पोर्टल पर एसडीएम के लॉगिन में ग्रामवार डाटा उपलब्ध कराया गया है। पुर्नजीवित किए गए भूमि विवाद संबंधी प्रकरणों की तहसीलवार के अनुसार, गोवर्धन में 1028, मांट में 1360, महावन में 1180, मथुरा में 1307 और छाता में 1401 पुर्नजीवित संदर्भ है।

### एआई टूल का लिया जाएगा सहारा

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि जमीन से जुड़े विवादों को सुलटाने के लिए एआई टूल और अन्य तरीके अपनाए जाएंगे। इस पहल से जमीन से जुड़े मामले कम होंगे। बार– बार शिकायत करने की प्रवृति पर अंकुश लगेगा। पूर्व में निस्तारित करने में लापरवाही बरतने वालों की जिम्मेदारी तय होगी।

# छाता फ्लाईओवर पर कार और दो ट्रक टकराए

छाता फ्लाईओवर पर दुर्घटना में क्षतिग्रस्त हुई कार।

**यूनिक समय, छाता।** राष्ट्रीय राजामार्ग पर छाता फलाई ओवर पर बुधवार को उस समय अफरा–तफरी का माहौल बन गया, जब एक कार और दो ट्रकों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इसके चलते फ्लाईओवर पर वाहनों की लंबी कतार लगने के कारण जाम लग गया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, छाता फलाई ओवर पर आज एक कार और दो ट्रक आपस में एक-दूसरे के साथ तेज आवाज के साथ टकरा गए। गनीमत रही कि वाहनों के क्षतिग्रस्त होने के बाद भी न तो कोई हताहत हुआ और नहीं किसी को गंभीर चोट आई। दुर्घटना के बाद सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग

### भीषण दुर्घटना में किसी को नहीं आई गंभीर चोट

गई। जिसके चलते आने–जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पढ़ा। हादसे के बाद स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर छाता पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क के किनारे हटवाया और यातायात को सुचारु करने में भारी मशक्कत की। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि पुलिस समय रहते मौके पर नहीं पहुंचती तो फ्लाईओवर पर और लंबा जाम लग सकता था और लोगों को घंटों परेशानी झेलनी पड़ती।

# अब पूरे साल होगा बच्चों का समग्र मूल्यांकन

**यूनिक समय, मथुरा।** परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का मूल्यांकन अब केवल वार्षिक और अर्द्धवार्षिक परीक्षा के अंकों से नहीं होगा। बेसिक शिक्षा परिषद ने स्कूलों में सतत एवं समग्र मूल्यांकन (सीसीई) प्रणाली को प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसके तहत बच्चों की पढ़ाई के साथ उनकी समझ, रचनात्मक क्षमता, व्यवहारिक ज्ञान और विभिन्न गतिविधियों की भागीदारी का महत्व दिया जाएगा। जिससे बच्चों पर परीक्षा का दबाव कम करना और उनकी वास्तविक प्रतिभा को पहचानना है। अब शिक्षक पूरे शैक्षणिक सत्र के दौरान बच्चों की प्रगति पर नजर रखेंगे। केवल लिखित परीक्षा ही नहीं, बल्कि कक्षा में सहभागिता, मौखिक प्रस्तुति, कार्यपत्रक, परियोजना कार्य, समूह गतिविधियां और रचनात्मक कार्य भी मूल्यांकन का हिस्सा होंगे। बच्चों से समय–समय पर मौखिक प्रश्न पूछे जाएंगे और उनकी सीखने की योग्यता का आंकलन किया जाएगा। इसके माध्यम से यह पता चल सकेगा कि बच्चा केवल किताबें याद कर रहा है या विषय को सही ढंग से समझ भी रहा है। बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने बताया कि परिषद की ओर से सभी परिषदीय विद्यालयों को सीसीई प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। इससे बच्चों की पढ़ने–लिखने की क्षमता के साथ उनकी बौद्धिक और रचनात्मक योग्यता की भी जानकारी मिल सकेगी।

## खड़ेश्वरी बाबा आश्रम में पांच से भागवत कथा

**यूनिक समय, मथुरा।** श्रीकृष्ण जन्मस्थान स्थित खड़ेश्वरी बाबा आश्रम में 5 जून से 12 जून तक भागवत कथा का आयोजन होगा। आयोजकों ने बताया कि कथा शुभारंभ पर सुबह 8 बजे स्वामी घाट से निकाली जाने वाली भव्य कलश यात्रा के साथ होगा। इस कलश यात्रा में 108 महिलाएं सिर पर कलश धारण कर भाग लेंगी। कथावाचक स्वामी लवदास द्वारा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक किया जाएगा। आयोजन महामंडलेश्वर बालक दास के सानिध्य और गोलोकवासी धर्मदास की पावन स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के आयोजक महंत नारायण दास महाराज ने श्रद्धालुओं से कथा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने की अपील की।

# महंगाई, बेरोजगारी को लेकर सपा का प्रदर्शन

## बैलगाड़ी से पहुंचे डीएम कार्यालय पर ज्ञापन देने

## मांगें पूरी न होने पर दी आंदोलन की चेतावनी

**यूनिक समय, मथुरा।** बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की परेशानियों, पेपर लीक और कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर सर्पा ने वुधवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया। सपा पदाधिकारी मुख्यमंत्री के नाम डीएम कार्यालय पर ज्ञापन देने बैलगाड़ी से पहुंचे।

सपा नेताओं ने कहा कि प्रदेश की जनता कई गंभीर समस्याओं से जूझ रही है, लेकिन सरकार ध्यान नहीं दे रही है। ज्ञापन के माध्यम से अवगत कराया है कि प्रदेश में लगातार बढ़ती महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। बेरोजगार युवा नौकरी के लिए भटक रहे हैं, भर्ती परीक्षाओं में बार–बार पेपर लीक होने से उनका भविष्य संकट में पड़ गया है। पार्टी नेताओं ने कहा कि छात्रों के साथ हो रही धांधलियों पर सरकार को जवाब देना चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

समस्याओं को लेकर बैलगाड़ी से ज्ञापन देने पहुंचे सपा पदाधिकारी।

सपा जिलाध्यक्ष ने किसानों की समस्याओं को उठाते हुए कहा कि किसानों को फसलों का उचित दाम नहीं मिल रहा है। समय पर खाद और दवाइयां नहीं मिलने से खेती प्रभावित हो रही है। हाल की बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को भारी नुकसान हुआ है, लेकिन अभी तक किसानों को पर्याप्त मुआवजा नहीं मिला। पार्टी ने प्रभावित किसानों को 70 हजार रुपये प्रति एकड़ मुआवजा देने और किसानों के बिजली बिल माफ करने की मांग की।

वहीं बिजली की बढ़ती दरों और भारी बिलों को लेकर भी सपा ने सरकार को घेरा। लोगों पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है। साथ ही पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों पर भी नाराजगी जताई गई। सपा नेताओं ने कहा कि जनता की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो पार्टी किसानों, छात्रों, व्यापारियों और बेरोजगार युवाओं को साथ लेकर बड़ा आंदोलन शुरू करेगी। इस दौरान सुभाष पाल, संतोष शर्मा, महेंद्र चौधरी, तुलसीराम धनगर, मुरारी मैथिल, सोनू ठाकुर, नजर कुरैशी, नजीम अब्बासी, संदीप अहेरिया, माधव सिंह, सुभाष सैनी, पंकज, मोहर सिंह सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

### बिजली चोरों पर विजिलेंस का कसा शिकंजा

# अवैध कनेक्शन से चलते मिले ई-रिक्शा और आरओ प्लांट

**यूनिक समय, मथुरा।** दरेसी के मनोहरपुरा क्षेत्र में विद्युत विजिलेंस और शहरी रेड्स की संयुक्त टीम ने आज विशेष अभियान चलाते हुए सात स्थानों पर चोरी के मामले पकड़े। जांच के दौरान एक दर्जन से अधिक ई-रिक्शा अवैध रूप से बिजली चोरी कर चार्ज किए जाते मिले, जबकि एक आरओ प्लांट भी सीधे लाइन से चल रही था। टीम ने मौके से अवैध केबल जब्त कर कार्रवाई की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई।

बिजली चोरी करने वालों की चेंकिंग करती विजिलेंस विभाग की टीम।

बताया गया है कि पिछले कुछ समय से दरेसी क्षेत्र में ट्रांसफार्मर बार-बार खराब होने, फॉल्ट आने और केबल जलने की घटनाओं के कारण विद्युत आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। इस फीडर पर अधिक लोड होने की शिकायतें भी लगातार मिल रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए समीक्षा बैठक में मुख्य अभियंता ने सुधार के लिए आवश्यक निर्देश दिए थे। इसके बाद अधीक्षण अभियंता (शहरी) मुदित तिवारी ने संयुक्त टीम गठित कर क्षेत्र में सघन चेकिंग के निर्देश दिए। विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, एई रेड्स सतेन्द्र, जेई किशन, जेई पवन और पुलिस बल के साथ मनोहरपुरा क्षेत्र में अचानक जांच अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान कई स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी गई। टीम ने मौके से अवैध केबल जब्त की। अचानक हुई कार्रवाई से क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों में अफरा-तफरी मच गई। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इससे पहले भी इस क्षेत्र में कई बार अभियान चलाया जा चुका है। पूर्व की कार्रवाइयों में आधा सैकड़ा से अधिक लोगों के खिलाफ बिजली चोरी के मुकदमे दर्ज कराए जा चुके हैं।

# आमदनी को लेकर नाविकों में चलीं गोलियां, पथराव

**यूनिक समय, मथुरा।** थाना रिफाइनरी स्थित यमुना के कोयला घाट पर बीती देर रात नाविकों के दो पक्षों में बृज चौरासी कोस परिक्रमा से होने वाली आमदनी को लेकर कहासुनी के बाद मामला मारपीट और फायरिंग तक पहुंच गया। गोलियां चलने से घाट पर मौजूद परिक्रमार्थियों में हड़कंप मच गया। नाव संचालन भी बंद रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों के एक दर्जन लोगों को हिरासत में ले लिया, लेकिन दोनो पक्षों में समझौता होने पर पुलिस ने चेतावनी देकर छोड़ दिया।

बताया गया कि बृज चौरासी कोस की परिक्रमा में कोयला घाट पर परिक्रमार्थियों को यमुना पार कराने के लिए 80 नाव लगी हुई है। नावों से अच्छी आमदनी हो रही है। बीती रात करीब साढ़े ग्यारह बजे नावों से होने वाली अमदनी के बटवारे को लेकर नविकों के दो पक्षों में पहले कहासुनी हुई। इसके बाद देखते ही देखते बात हाथापाई और मारपीट पर आ गई। एक पक्ष के लोगों ने अवैध हथियारों से फायरिंग की। फायरिंग की आवाज सुनकर घाट पर मौजूद परिक्रमार्थियों में हड़कंप मच गया। दूसरे पक्ष ने भी जमकर ईंट पत्थर चलाए। पुलिस को घाट पर होने वाले झगड़े का पता लगा तो मौके से झगड़ा करने वाले दोनों पक्ष के करीब एक दर्जन लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले आई।

थाना प्रभारी का कहना है कि दोनों पक्षों में समझौता हो गया। दोनों ही पक्षों में से किसी ने लिखित तहरीर नहीं दी है।

### कोयला घाट पर पैसा बटवारे पर भिड़े दो पक्ष

### परिक्रमार्थियों में मची रही अफरा-तफरी

### रात में नाव संचालन भी रहा बाधित

# रोजाना योग करने से मिलता है बीमारियों से छुटकारा

योग का अभ्यास करतीं युवतियां।

**यूनिक समय, मथुरा।** योग भारतीय संस्कृति की एक अमूल्य धरोहर और प्राचीनतम विद्या है, जो शरीर, मन और आत्मा के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। अधिकांश लोग किसी न किसी शारीरिक या मानसिक समस्या से जूझ रहे हैं। आयुष मंत्रालय ने 21 जून को आयोजित होने वाले 12 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की थीम योगा फॉर हेल्दी एजिंग रखी है।

डाक्टरों के अनुसार, उचित आहार, नियमित व्यायाम, योगाभ्यास, पर्याप्त नींद और सकारात्मक सोच स्वस्थ आयु के प्रमुख आधार हैं। योग विशेषज्ञ ताड़ासन, भुजंगासन, पवनमुक्तासन, शवासन और प्राणायाम में अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और कपालभाति जैसे अभ्यासों को नियमित करना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य आयोजन 15 जून से 21 जून तक योग सप्ताह भी मनाया जाएगा। आयुष विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. डिगम्बर सिंह ने जानकारी दी। जिला कार्यक्रम प्रबंधक (आयुष) अखिलेश विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में विभाग के योग प्रशिक्षकों द्वारा जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में योग शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

# हरियाली छटा के बीच विराजे गिरिराज महाराज, श्रद्धालु हो गए निहाल

हरियाली छटा के बीच दर्शन देते गिरिराज महाराज

**यूनिक समय, गोवर्धन।** अधिक मास में गिरिराज महाराज की नगरी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। जैसे-जैसे अधिक मास आगे बढ़ रहा है, वैसे-वैसे श्रद्धालुओं का आगमन भी तेज होता जा रहा है। रात्रि में लाखों श्रद्धालुओं ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा कर पुण्य लाभ अर्जित किया। शाम होते-होते श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ गई और पूरा क्षेत्र राधे-राधे और गिरिराज महाराज की जय के जयघोषों से गूंज उठा। दानघाटी मंदिर में गिरिराज महाराज का विशेष हरियाली श्रृंगार किया गया। सेवायतों ने फूलों, हरी-भरी पत्तियों और आकर्षक मोती-माणिक्य से गिरिराज महाराज को सजाया। हरियाली की मनमोहक छटा के बीच विराजमान गिरिराज प्रभु के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मध्य प्रदेश के इंदौर से आए श्रद्धालु सूरज डोंगरे अपने परिवार के साथ गिरिराज महाराज और राधारानी के चरणों में भजन प्रस्तुत कर भक्तिरस में सराबोर नजर आए। साधु-संतों जैसी वेशभूषा, माथे पर तिलक और भगवान की भक्ति में लीन उनका पूरा परिवार श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना रहा। उन्होंने बताया कि हर दो-तीन महीने में गिरिराज महाराज की कृपा से गोवर्धन परिक्रमा और दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होता है।

# रबड़ी में खटास की शिकायत पर ग्राहक ने गुणवत्ता पर उठाए सवाल

**यूनिक समय, गोवर्धन।** कस्बे के सिंडिकेट बैंक के समीप स्थित श्री गुल्ला हलवाई एवं श्रीनाथ मिष्ठान भंडार से खरीदी गई रबड़ी की गुणवत्ता को लेकर विवाद सामने आया है। एक ग्राहक ने रबड़ी में खट्टी गंध और स्वाद खराब होने की शिकायत करते हुए नाराजगी जताई है। ग्राहक आशू कौशिक ने बताया कि उन्होंने सोमवार रात करीब 11 बजे दुकान से आधा किलो रबड़ी खरीदी थी। घर पहुंचकर जब रबड़ी को आम के रस में मिलाया गया तो उसमें से खट्टी गंध आने लगी और स्वाद भी खराब महसूस हुआ।

उन्होंने अगले दिन दुकान संचालक से शिकायत की, लेकिन समाधान नहीं हो सका।

# राजीव एकेडमी के छात्र आदित्य सिंह का उच्च पैकेज पर चयन

**यूनिक समय, मथुरा।** राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी, मथुरा के एम.फार्मा (फार्माकोलॉजी) छात्र आदित्य सिंह सहरावत ने अपनी बौद्धिक क्षमता और कुशाग्रबुद्धि से प्रतिष्ठित एमपीआरडब्ल्यू रिसर्च कंपनी में उच्च पैकेज पर सेवा का अवसर हासिल किया है। कम्पनी से मिले ऑफर से न केवल छात्र, बल्कि उसके माता-पिता भी खुश हैं।

राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी के निदेशक डॉ. हिमांशु चोपड़ा ने बताया कि आदित्य सिंह सहरावत ने हाल ही में हुई प्लेसमेंट प्रक्रिया में अपनी कड़ी मेहनत, समर्पण और अकादमिक उत्कृष्टता से शानदार सफलता हासिल की है। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि आदित्य सिंह की यह सफलता संस्थान की उच्चस्तरीय शिक्षण प्रणाली और शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन की सबसे बड़ी पहचान है। आदित्य ने अपने ज्ञान और कौशल से यह साबित कर दिया कि मेहनत और लगन से कोई भी लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है।

एमपीआरडब्ल्यू रिसर्च कम्पनी में चयनित छात्र आदित्य सिंह सहरावत।

डॉ. चोपड़ा ने बताया कि संस्थान में विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं के लिए आधुनिक उपकरण और प्रयोगशालाएं मौजूद हैं, जिनमें फार्माकोलॉजी, फॉर्मास्युटिकल केमिस्ट्री और बायोटेक्नोलॉजी क्षेत्र के अध्ययन शामिल हैं। यहां अनुसंधान करते समय छात्र-छात्राओं को प्रायोगिक अनुभव के साथ-साथ नैतिक जिम्मेदारियों की भी ट्रेनिंग दी जाती है। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी का उद्देश्य केवल

### एमपीआरडब्ल्यू रिसर्च कंपनी में मिला सेवा का शानदार अवसर

शिक्षा देना नहीं है, बल्कि छात्र-छात्राओं को अत्याधुनिक अनुसंधान और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना भी है। उन्होंने कहा कि सीसीएसईए स्वीकृत एनिमल हाउस हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि हम वैज्ञानिक अनुसंधान में गुणवत्ता और नैतिकता दोनों का पालन करते हैं। डॉ. चोपड़ा ने कहा कि राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी नियमित रूप से नए शोध प्रोजेक्ट्स, अध्ययन और फार्माकोलॉजिकल परीक्षणों में भागीदारी करती है। इन्हीं सुविधाओं के कारण ही यहां के छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में चयनित होकर संस्थान का गौरव बढ़ा रहे हैं।

आदित्य सिंह ने अपनी सफलता का श्रेय संस्थान को देते हुए कहा कि राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी लगातार छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा और करियर के क्षेत्र में उत्कृष्ट अवसर प्रदान करती है। राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी में पशुओं पर किए जाने वाले प्रयोगों के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के उद्देश्य से गठित समिति से अनुमोदित एनिमल हाउस है, जोकि फार्माकोलॉजी और अन्य संबंधित अनुसंधानों के लिए अत्यंत आवश्यक है। यह सुविधा सुनिश्चित करती है कि सभी शोध गतिविधियां नैतिक और वैज्ञानिक मानकों के अनुरूप हों।

संस्थान के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रबंध निदेशक मनोज अग्रवाल ने छात्र आदित्य सिंह सहरावत को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डॉ. रामकिशोर अग्रवाल ने कहा कि राजीव एकेडमी फॉर फार्मेसी यह सुनिश्चित करती है कि छात्र-छात्राओं को न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि व्यावहारिक और अनुसंधान आधारित कौशल भी प्राप्त हो, जिससे वे भविष्य में फार्मास्युटिकल उद्योग और अनुसंधान जगत में उत्कृष्ट योगदान दे सकें।

# दुष्कर्म और ब्लैकमेलिंग के आरोपी को पुलिस ने दबोचा

**यूनिक समय, राया ।** पुलिस ने दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और पॉक्सो एक्ट के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

थाने में दर्ज मुकदमा में वांछित अभियुक्त मौसुकुट उर्फ जानू निवासी मेन बाजार, मोहल्ला थोक ज्ञान सोनई, थाना राया को बरेली हाईवे हुल कट क्षेत्र से गिरफ्तार किया। 30 मई को एक व्यक्ति ने तहरीर देकर आरोप लगाया था कि आरोपी ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया। वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उससे और उसके परिजनों से धन उगाही का प्रयास किया। आरोपी ने कथित रूप से पांच लाख रुपये की मांग भी की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की। बुधवार को पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

### कम उम्र में गैस, कब्ज और एसिडिटी से हैं परेशान

# आपकी ये रोजमर्रा की आदतें बन रही हैं बड़ी वजह

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** आजकल युवाओं में पेट फूलना, गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। पहले ये परेशानियां बढ़ती उम्र में देखने को मिलती थीं, लेकिन अब कम उम्र के लोग भी इनसे जूझ रहे हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे सबसे बड़ी वजह खराब लाइफस्टाइल और अनियमित खान–पान है, जो धीरे–धीरे आंतों की सेहत को नुकसान पहुंचा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, देर रात खाना खाने की आदत पाचन तंत्र पर बुरा असर डालती है। सोने से ठीक पहले भोजन करने पर शरीर भोजन को सही तरीके से पचा नहीं पाता, जिससे एसिडिटी, गैस और पेट फूलने की समस्या बढ़ सकती है। इसके अलावा अनियमित समय पर खाना खाने से आंतों की प्राकृतिक कार्यप्रणाली भी प्रभावित होती है। कॉफी, एनर्जी ड्रिंक और अन्य कैफीनयुक्त पेय

पदार्थों का अत्यधिक सेवन भी गट हेल्थ के लिए नुकसानदायक माना जाता है। पढ़ाई, काम और नींद की कमी के कारण कई युवा दिनभर कैफीन का सहारा लेते हैं। इससे पेट में एसिड का उत्पादन बढ़ जाता है, जो एसिडिटी और पाचन संबंधी समस्याओं को जन्म दे सकता है। तनाव और पर्याप्त नींद न लेना भी आंतों की सेहत पर सीधा असर डालता है। लगातार तनाव में रहने से पाचन प्रक्रिया प्रभावित होती है और कब्ज, पेट दर्द तथा सूजन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं। वहीं, कम नींद लेने से शरीर का हार्मोनल संतुलन और पाचन तंत्र दोनों प्रभावित होते हैं। फास्ट फूड, पैकेटबंद स्नैक्स और मीठे ड्रिंक्स का बढ़ता सेवन भी एक बड़ी वजह है। इन खाद्य पदार्थों में फाइबर की मात्रा बहुत कम होती है, जिससे कब्ज और पाचन संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। फाइबर की कमी आंतों के स्वास्थ्य को कमजोर कर सकती है। इसके अलावा बिना डॉक्टर की सलाह के बार–बार एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन, धूम्रपान, वेपिंग और शराब का उपयोग भी आंतों में मौजूद अच्छे बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचा सकता है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि आंतों को स्वस्थ रखने के लिए संतुलित आहार लें, पर्याप्त पानी पिएं, फाइबर युक्त भोजन का सेवन बढ़ाएं, समय पर सोएं और रोजाना व्यायाम करें। साथ ही तनाव को नियंत्रित रखने और प्रोसेस्ड फूड से दूरी बनाने से भी गट हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है। स्वस्थ आंतें न केवल पाचन को बेहतर बनाती हैं, बल्कि पूरे शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

## सावधान ये 5 सब्जियां कच्ची खाना पड़ सकता है भारी

### पोषण पाने के चक्कर में न करें यह गलती

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** सब्जियां स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभदायक मानी जाती हैं। इनमें मौजूद विटामिन, मिनरल्स और फाइबर शरीर को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई लोग यह सोचकर सब्जियों को कच्चा खाना पसंद करते हैं कि इससे उनके पोषक तत्व सुरक्षित रहते हैं। हालांकि, सभी सब्जियां कच्ची खाने के लिए उपयुक्त नहीं होतीं। कुछ सब्जियों का कच्चा सेवन स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकता है। मशरूम ऐसी ही एक सब्जी है जिसे कच्चा खाने से कई लोगों को पाचन संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। कच्चे मशरूम में मौजूद कुछ प्राकृतिक यौगिक पेट दर्द, गैस और अपच का कारण बन सकते हैं। इन्हें पकाने से ये तत्व काफी हद तक कम हो जाते हैं और मशरूम अधिक सुरक्षित बन जाता है। फूलगोभी को अक्सर सलाद में शामिल किया जाता है, लेकिन इसकी अधिक मात्रा कच्ची खाने से पेट फूलने और गैस की समस्या बढ़ सकती है। इसमें मौजूद कठोर फाइबर और कुछ विशेष यौगिकों को पचाने में शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है। हल्का पकाकर खाने से यह अधिक सुपाच्य हो जाती है। बैंगन को भी कच्चा खाने से बचना चाहिए। इसमें सोलनाइन नामक तत्व पाया जाता है, जो कुछ लोगों में पेट खराब, मतली या एलर्जी जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। पकाने की प्रक्रिया इस तत्व की मात्रा को कम कर देती है और बैंगन को पचाने में आसान बनाती है। आलू उन सब्जियों में शामिल है जिन्हें कभी भी कच्चा नहीं खाना चाहिए। कच्चे आलू में मौजूद सोलनाइन शरीर के लिए हानिकारक हो सकता है और पेट दर्द, उल्टी तथा पाचन संबंधी परेशानियां पैदा कर सकता है। इसके अलावा कच्चे आलू का स्टार्च भी आसानी से नहीं पचता, जिससे गैस और पेट फूलने की शिकायत हो सकती है। पालक पोषक तत्वों का खजाना मानी जाती है, लेकिन इसे अधिक मात्रा में कच्चा खाने से समस्या हो सकती है। कच्ची पालक में ऑक्सालेट्स नामक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर में कैल्शियम और आयरन के अवशोषण को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से किडनी स्टोन की समस्या वाले लोगों को कच्ची पालक का अधिक सेवन करने से बचना चाहिए। विशेषज्ञों का मानना है कि संतुलित मात्रा में और सही तरीके से पकाकर सब्जियों का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए सबसे बेहतर विकल्प है। इससे न केवल पाचन बेहतर रहता है, बल्कि शरीर को आवश्यक पोषक तत्व भी आसानी से मिल जाते हैं।

## कुकर में 5 मिनट में बनाएं फुले-फुले पॉपकॉर्न

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** पॉपकॉर्न एक ऐसा स्नैक है जिसे बच्चे और बड़े सभी पसंद करते हैं। मूवी देखते समय, शाम की चाय के साथ या हल्की भूख लगने पर पॉपकॉर्न बेहतरीन विकल्प साबित होते हैं। अगर आप भी घर पर थिएटर जैसे फुले–फुले और क्रिस्पी पॉपकॉर्न बनाना चाहते हैं, तो कुकर की मदद से इन्हें सिर्फ 5 मिनट में तैयार कर सकते हैं। पॉपकॉर्न बनाने के लिए एक कप मक्के के दाने, दो चम्मच बटर, चुटकीभर हल्दी, आधा चम्मच लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक लें। सबसे पहले गैस पर कुकर रखें और उसमें बटर डालकर गर्म करें। अब हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें। इसके बाद मक्के के दाने डालें और सभी मसालों को अच्छी

तरह मिक्स करें ताकि हर दाने पर मसाले की परत चढ़ जाए। अब कुकर के ढक्कन से रबर और सीटी निकाल दें और ढक्कन बंद कर दें। गैस की आंच तेज रखें। थोड़ी देर बाद मक्के के दाने फूटने लगेंगे। इस दौरान कुकर को बीच–बीच में हल्का हिलाते रहें ताकि दाने जलें नहीं। जब पॉपकॉर्न फूटने की आवाज बंद हो जाए, तो गैस बंद कर दें। तैयार पॉपकॉर्न को एक बाउल में निकालें और गर्मागर्म सर्व करें। स्वादिष्ट और कुरकुरे पॉपकॉर्न मिनटों में तैयार हैं।

### क्या सच में काला नमक ज्यादा हेल्दी होता है?

## काला नमक या सफेद नमक?

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारतीय खाने में नमक का अहम स्थान है। यह स्वाद बढ़ाने के साथ शरीर में आयोडीन की कमी को पूरा करने में भी मदद करता है। बाजार में काला नमक, सेंधा नमक, हिमालयन पिंक सॉल्ट और साधारण नमक जैसे कई विकल्प मौजूद हैं, जिससे लोग अक्सर भ्रमित हो जाते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ज्यादातर नमकों में 97 से 99 प्रतिशत तक सोडियम क्लोराइड होता है। अलग–अलग नमकों में मौजूद अतिरिक्त मिनरल्स की मात्रा बहुत कम होती है, इसलिए उन्हें स्वास्थ्य के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद नहीं माना जा सकता। काला नमक में सोडियम की मात्रा थोड़ी कम होती है और इसमें सल्फर यौगिक पाए जाते हैं, जो इसकी खास गंध और स्वाद के लिए जिम्मेदार हैं। यही कारण है कि इसे चाट, सलाद और फलों में इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, नियमित सेवन के लिए आयोडीन युक्त सफेद नमक बेहतर माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि काला नमक स्वाद के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है, लेकिन अधिक मात्रा में इसका सेवन कुछ लोगों में गैस और पेट फूलने जैसी समस्याएं बढ़ा सकता है। इसलिए किसी भी नमक का सेवन संतुलित मात्रा में करना ही सबसे जरूरी है।

## सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने की आदत बदल सकती है आपकी सेहत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दिन की शुरुआत अगर एक या दो गिलास गुनगुने पानी से की जाए तो इसका सकारात्मक असर पूरे शरीर पर पड़ सकता है। आयुर्वेद और स्वास्थ्य विशेषज्ञ भी सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने की सलाह देते हैं। यह न केवल पाचन तंत्र को बेहतर बनाता है, बल्कि वजन नियंत्रित करने, शरीर को हाइड्रेट रखने और कई अन्य स्वास्थ्य लाभ देने में भी मदद करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने से पाचन क्रिया सक्रिय हो जाती है। गुनगुना पानी भोजन को पचाने में सहायता करता है और गैस, एसिडिटी तथा कब्ज जैसी समस्याओं को कम करने में मदद कर सकता है। इसके नियमित सेवन से पाचन तंत्र बेहतर तरीके से काम करता है और पेट हल्का महसूस होता है। गर्म पानी ब्लड सर्कुलेशन को भी बेहतर बनाने में सहायक माना जाता है। यह रक्त वाहिकाओं को फैलाने में मदद करता है, जिससे शरीर के विभिन्न

### कौन से फायदे और एक बार में कितना पिएं?

अंगों तक ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की आपूर्ति सुचारु रूप से होती है। बेहतर रक्त संचार शरीर को अधिक ऊर्जावान बनाए रखने में भी मदद करता है। तनाव और मानसिक थकान को कम करने में भी गुनगुना पानी लाभदायक हो सकता है। गर्म पानी शरीर और नर्वस सिस्टम को आराम पहुंचाता है, जिससे तनाव कम महसूस होता है। कई लोग रात में सोने से पहले भी गुनगुना पानी पीते हैं, जिससे नींद की गुणवत्ता बेहतर हो सकती है। इसके अलावा, गर्म पानी शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करता है। गुनगुना पानी पीने से शरीर का तापमान थोड़ा बढ़ता है, जिससे पसीना अधिक आता है। पसीने के माध्यम से शरीर में मौजूद कुछ अपशिष्ट पदार्थ बाहर निकलते हैं और त्वचा भी अधिक साफ व स्वस्थ दिखाई दे सकती है। वजन कम करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए भी यह आदत फायदेमंद मानी जाती है। सुबह गर्म पानी पीने से मेटाबॉलिज्म सक्रिय होता है, जिससे शरीर कैलोरी को बेहतर तरीके से उपयोग कर पाता है। हालांकि केवल गर्म पानी से वजन कम नहीं होता, इसके साथ संतुलित आहार और नियमित व्यायाम भी जरूरी है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि सुबह खाली पेट एक से दो गिलास गुनगुना पानी धीरे–धीरे घूंट–घूंट करके पीना चाहिए। पानी बहुत ज्यादा गर्म नहीं होना चाहिए, क्योंकि इससे मुंह, गले और पाचन तंत्र को नुकसान पहुंच सकता है। सही तापमान और सही मात्रा में गर्म पानी पीना ही इसके लाभ पाने का सबसे अच्छा तरीका है।

## कौन सा अउकर सबसे ज्यादा बिजली खाता है

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** गर्मी बढ़ते ही अउकर की जरूरत भी बढ़ जाती है, लेकिन सही अउ का चुनाव न करने पर बिजली का बिल काफी बढ़ सकता है। बाजार में मुख्य रूप से स्प्लिट अउ, विंडो अउ और पोर्टेबल अउ उपलब्ध हैं, जिनकी बिजली खपत अलग–अलग होती है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्प्लिट अउ सबसे ज्यादा ऊर्जा–किफायती माना जाता है। खासकर इन्वर्टर तकनीक वाले स्प्लिट अउ बिजली की खपत को 30 से 50 प्रतिशत तक कम कर सकते हैं। इनमें कंप्रेसर की स्पीड जरूरत के अनुसार नियंत्रित होती है, जिससे बिजली की बचत होती है। विंडो अउ बिजली की खपत के मामले में दूसरे स्थान पर आता है। यह अपेक्षाकृत सस्ता होता है और छोटे कमरों या किराए के घरों के लिए अच्छा विकल्प माना जाता है। सबसे ज्यादा बिजली पोर्टेबल अउ खर्च करता है। इसकी डिजाइन के कारण कमरे में बार–बार गर्म हवा प्रवेश करती रहती है, जिससे इसे अधिक मेहनत करनी पड़ती है और बिजली की खपत 20 से 40 प्रतिशत तक बढ़ सकती है। अगर बिजली का बिल कम रखना चाहते हैं, तो 5–स्टार रेटिंग वाला इन्वर्टर स्प्लिट अउ सबसे बेहतर विकल्प माना जाता है।

## सुविचार

हर परिस्थिति में धैर्य रखें, अच्छे समय का इंतजार जरूर फल देता है।

## कल का पंचांग

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| तिथि | चतुर्थी | 09:21-11:30 तक | पक्ष | कृष्ण पक्ष |
| नक्षत्र | श्रवण | 03:41-06:03 तक | माह | ज्येष्ठ |
| सूर्योदय | | 5:28 AM | चन्द्रोदय | 10:34 PM |
| सूर्यास्त | | 7:06 PM | चंद्रास्त | 09:19 AM |
| सूर्य राशि | | वृषभ राशि | चंद्र | मकर राशि |
| शुभ मुहूर्त | | 11:49AM -12:44 PM | ब्रहम् मुहूर्त | 03:51-04:39 |
| त्योहार/व्रत | | | विक्रम संवत् | 2083 |
| राहुकाल | | 01:59 PM: 03:42 PM | वार | गुरुवार |

## ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

# ज्योतिष : किस राशि के लिए कौन सी धातु है सबसे शुभ?

संवाददाता

**यूनिक समय, मथुरा।** ज्योतिषियों के अनुसार, नवग्रहों का हमारे जीवन पर किसी ना किसी तरह से प्रभाव पड़ता है, इसलिए कुंडली में नवग्रहों का मजबूत और शांत रहना आवश्यक है। इसके लिए शास्त्रों में कई तरह के उपाय बताए गए हैं, जिसमें से एक है धातु का धारण करना। कुछ लोग अंगूठी धारण करते हैं तो कुछ गले में लॉकेट। पंडित अजय कुमार तैलंग बताते हैं कि धातु को हमेशा राशियों के हिसाब से धारण करना चाहिए। तभी इनका लाभ मिलता है।

बिना राशि के अनुसार, धातु पहनने से अशुभ फल मिलता है। आइये जानते हैं किस राशि के जातक को कौन सी धातु पहनना शुभ होता है।

**मेष राशि:** मेष राशि के जातकों को सोना या तांबे का धातु शुभ होता है। मंगलवार के दिन धातु धारण करने से इसका फल दोगुना हो जाता है। धातु धारण करने से पहले उसे पंचामृत से स्वच्छ कर लें। इसके बाद ही धारण करें।

**वृष राशि:** वृष राशि के जातकों को हमेशा चांदी की धातु धारण करना चाहिए। ज्योतिषियों के अनुसार, शुक्रवार के दिन चांदी की अंगूठी या लॉकेट को पहनना शुभ होता है। इससे व्यापार में लाभ होने के साथ नौकरी में तरक्की मिलेगी।

**मिथुन राशि:** मिथुन राशि के जातकों के लिए कांसा सबसे उत्तम होता है। जैसा कि कांसा शुक्र ग्रह से संबंधित है। ऐसे में इसे धारण करने से शुक्रग्रह शांत रहते हैं। इससे घर में सुख–समृद्धि आती है।

**कर्क राशि:** कर्क राशि वालों को चांदी की धातु पहनना सबसे शुभ होता है। सोमवार के दिन चांदी की धातु धारण करने से विशेष फल मिलता है। चांदी के अलावा पीतल और सोने की धातु भी धारण की जा सकती है।

**सिंह राशि:** सिंह राशि के जातकों को पीतल, सोने की धातु धारण करनी चाहिए। इससे गुरू ग्रह का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

**कन्या राशि:** कन्या राशि वालों के लिए चांदी या सोना दोनों ही धातु सबसे उत्तम होती है। ज्योतिषियों के अनुसार, दोनों धातु के मिश्रण की अंगूठी धारण करते हैं तो इसका दोगुना लाभ मिलता है।

**तुला राशि:** ज्योतिषियों के अनुसार, शुक्रवार के दिन मध्यमा अंगुली में चांदी का छल्ला धारण करने से यश की प्राप्ति होगी। तुला राशि वाले सोने की धातु भी धारण कर सकते हैं।

**वृश्चिक राशि:** वृश्चिक राशि वाले इस बात का ध्यान रखें कि उनको हमेशा तांबा या चांदी धारण करना चाहिए। इससे उनको विशेष लाभ मिलेगा।

**धनु राशि:** धनु राशि वालों को सोने या पीतल से बनी धातु धारण करना शुभ होता है। गुरुवार को तर्जनी अंगुली में धातु धारण करने से विशेष फल की प्राप्ति होती है।

**मकर राशि:** मकर राशि के जातकों के लिए लोहा सबसे अच्छा माना जाता है। इस धातु का संबंध शनि ग्रह से होता है। शनिवार के दिन लोहा धातु पहनने से विशेष लाभ मिलता है।

**कुंभ राशि:** अष्टधातु से बनी धातु की अंगूठी कुंभ राशि के जातकों के लिए सबसे शुभ होती है। इसे आपको शनिवार के दिन बाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करना चाहिए। इससे बेहद ही शुभ फल मिलते हैं।

**मीन राशि:** इस राशि के जातकों के लिए सोना सबसे उत्तम होता है। गुरुवार के दिन तर्जनी अंगुली में सोने की अंगूठी धारण करने से अच्छे फल मिलते हैं।

# रुके धन की प्राप्ति के लिए रामबाण है हरसिंगार के फूल

**यूनिक समय, मथुरा।** हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार ऐसे कई पेड़–पौधे और फूल होते हैं। जिनमें दैवीय ऊर्जा पाई जाती है। माना जाता है कि इन पेड़–पौधों के स्पर्श मात्र से ही कई प्रकार की मुसीबतें टल जाती हैं। इन्हीं में से एक है हरसिंगार। हममें से बहुत से लोग हरसिंगार को पारिजात के नाम से भी जानते हैं। हिंदू धर्म में इस पौधे को बेहद पवित्र माना जाता है। नारंगी डंडी और खूबसूरत सफेद फूल लगा हुआ यह पौधा आपको कई जगहों पर दिखा होगा। धार्मिक मान्यताएं हैं कि जिस घर में हरसिंगार का पौधा लगा हुआ होता है। उस घर में माता लक्ष्मी का वास होता है। यदि इस पौधे को घर की सही दिशा में लगाया जाए, तो कई प्रकार की समस्याएं दूर होती हैं, और आरोग्य की प्राप्ति भी होती है। ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पं. अजय कुमार तैलंग बता रहे हैं कि हरसिंगार के पौधे से जुड़े कुछ आसान से उपायों के बारे में।

माना जाता है कि घर में हरसिंगार का पौधा लगाने से घर की नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। इस पौधे में माता लक्ष्मी का वास माना जाता है। यदि इस पौधे को घर के उत्तर या पूर्व दिशा में लगाया जाए, तो घर से वास्तु दोष दूर होता है। साथ ही इस पौधे के फूल को देखने से जीवन में सुकून आता है। घर के लोगों का मानसिक तनाव दूर होता है, और सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है।

यदि आप काफी दिनों से नौकरी या

व्यापार में उन्नति नहीं पा रहे हैं। तो हरसिंगार के 21 फूल को लाल कपड़े में बांधकर घर या अपने व्यापार स्थल पर माता लक्ष्मी के पास रख दें। मान्यता है कि ऐसा करने से व्यापार में तरक्की होती है, और नौकरी पेशा लोगों के करियर में अच्छे अवसर आते हैं। यदि तरक्की में किसी तरह की कोई अड़चन आ रही है। तो वह भी इस उपाय से दूर हो जाती है।

हरसिंगार के फूलों का उपयोग ना सिर्फ पूजा पाठ में किया जाता है। बल्कि आयुर्वेद में सेहत के लिए भी यह लाभकारी माना गया है।

यदि आपका धन कहीं पर अटक गया है, या फिर आप कर्ज से मुक्ति पाना चाहते हैं। तो आपको हरसिंगार के पौधे की जड़ का एक टुकड़ा लेकर उसे लाल कपड़े में बांधकर माता लक्ष्मी के सामने रख देना है।

इसके बाद विधिवत रूप से माता लक्ष्मी और जड़ की पूजा करें, और जड़ पर हल्दी व सिंदूर का तिलक लगाएं। इसके बाद कनकधारा स्तोत्र का पाठ करें। पूजा करने के बाद जड़ को घर के धन स्थान या अपने पर्स में रख लें। ऐसा करने से जल्द ही आपको कर्ज से मुक्ति मिलेगी और अटका हुआ धन भी प्राप्त होगा।

# सरसों के तेल से दूर होंगे कुंडली के ग्रह दोष

**यूनिक समय, मथुरा।** ग्रह दोष के कारण धन हानि, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं, शत्रुता, कलह और अन्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। ज्योतिषशास्त्र में ग्रह दोष को दूर करने के कई उपाय भी बताए गए हैं। ज्योतिषविद्या के जानकारों के अनुसार, सरसों के तेल के कुछ छोटे–छोटे टोटके करके भी आप ग्रह दोषों से मुक्ति पा सकते हैं। आज के इस लेख में हम आपको ग्रह दोष को दूर करने के सरसों के तेल के टोटके बताने जा रहे हैं – यदि किसी जातक की कुंडली में मंगल दोष हो तो उसे शरीर पर सरसों के तेल से मालिश करनी चाहिए। इससे मंगल दोष दूर होता है। शनिवार के दिन शनि मंदिर में सरसों का तेल चढ़ाने से शनिदेव प्रसन्न होते हैं। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, यदि किसी जातक की कुंडली में शनि कमजोर हो तो उसे सरसों के तेल में बनी हुई सब्जियाँ खानी चाहिए। इससे शनि मजबूत होता है। यदि कुंडली में शनि नीच दशा में हो तो सिर पर सरसों का तेल लगाने से शनि उच्च दशा में परिवर्तित हो जाता है। यदि किसी जातक की कुंडली में बृहस्पति ग्रह कमजोर हो तो सरसों के तेल के साथ हल्दी लेकर बृहस्पतिवार के दिन दान देने से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है। ऐसा करने से बृहस्पति ग्रह शुभ फल देना प्रारम्भ कर देता है। सरसों के तेल में बनी सब्जियां मजदूरों को दान करने से व्यापार में सफलता मिलती है। इसके साथ ही सहकर्मियों का सहयोग भी मिलता है। एक कटोरी में सरसों का तेल लेकर अपने ईष्ट का नाम लेते हुए अपने सिर से सात बार उतार कर बाहर फेंक दें, ऐसा करने से सभी रोगों का नाश होता है।

# हनुमानजी के ये उपाय बनाएंगे आपको बलवान, दूर होंगी सभी बाधाएं

**यूनिक समय, मथुरा।** हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है। मंगलवार के दिन हनुमान जी की आराधना करने से भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कहते हैं जो सच्ची श्रद्धा से हनुमान जी को पूजता है, वह सभी संकटों से मुक्त हो जाता है। हनुमान जी को संकटमोचन भी कहा जाता है। भगवान हनुमान को शिव का रुद्रावतार माना गया है। ऐसे में भगवान शिव की तरह ही हनुमान जी भी आसानी से प्रसन्न हो जाते हैं। पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि शास्त्रों में हनुमान जी से जुड़े विशेष उपाय बताए गए हैं। इन उपायों से जीवन की सभी परेशानियों से छुटकारा मिलता है।

**भय दूर करने के लिए**

मान्यता है कि हनुमान जी का नाम लेने मात्र से भूत–पिशाच सब दूर भाग जाते हैं।

हनुमान चालीसा में भी जिक्र है कि भूत–पिशाच निकट नहीं आवे, महावीर जब नाम सुनावे। अगर आपको सोते समय भय महसूस होता है तो आपको 'हं हनुमंते नमः' मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए। इससे आप पॉजिटिव महसूस करने लगेंगे।

**शत्रु से रक्षा के लिए**

अगर आप जीवन में शत्रुओं से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आपको नियमित हनुमान पूजा करनी चाहिए। साथ में, श्री बजरंग बाण पाठ करने से शत्रुओं से रक्षा होती है। इसके लिए जरूरी है कि श्री बजरंग बाण पाठ 21 दिन तक करें।

**बंधन मुक्ति के लिए**

नियमित हनुमान चालीसा का पाठ करने से व्यक्ति किसी भी बंधन से मुक्त हो जाता है। मान्यता है कि 108 बार हनुमान चालीसा करने से कोई व्यक्ति किसी बंधन में ठहर नहीं पाता है। उस पर हनुमान जी की कृपा बनी रहती है।

**पीड़ाओं से मुक्ति के लिए**

अगर आप शारीरिक पीड़ा से परेशान रहते हैं तो आपको हनुमान बाहुक का पाठ करना चाहिए। हनुमान जी के पाठ से गठिया, सिरदर्द, कंठ रोग, जोड़ों का दर्द समेत कई बीमारियों में लाभ मिलता है। इसके लिए आपको जल का एक पात्र सामने रखकर हनुमान बाहुक का पाठ का 26 या 21 दिनों तक करना चाहिए। ध्यान रखें पात्र के जल को पीकर फिर से जल भर दें। इससे सभी तरह के कष्ट दूर होते हैं।

**गृह कलह से मुक्ति**

मान्यता है कि मंगलवार और शनिवार के दिन हनुमान मंदिर में गुड़ और चना चढ़ाने से गृह कलह से मुक्ति मिलती है। वहीं घर पर सुबह–शाम हनुमान चालीसा का पाठ करने से भी गृह क्लेश समाप्त होता है। हालांकि, इसका लाभ तब मिलता है जब इसे 21 दिन तक नियमित किया जाए।

इससे हनुमान जी प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं और घर में सुख–समृद्धि का संचार होता है।

## सम्पादकीय

# सड़क सुरक्षा के लिए जागरूकता सबसे बड़ी जरूरत

उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और यहां सड़कों का जाल भी तेजी से फैल रहा है। एक्सप्रेसवे, हाईवे और नई सड़क परियोजनाओं ने यातायात को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ सड़क दुर्घटनाओं की संख्या भी चिंता बढ़ाने लगी है। आए दिन किसी न किसी जिले से सड़क हादसे की खबर सामने आती है। कहीं तेज रफ्तार बस पलट जाती है, कहीं बाइक सवार युवक जान गंवा देता है, तो कहीं ट्रक और कार की टक्कर कई परिवारों की खुशियां छीन लेती है। सरकारें लगातार सड़क सुरक्षा के लिए कानून बना रही हैं। भारी जुर्माने, हेलमेट और सीट बेल्ट की अनिवार्यता, स्पीड मॉनिटरिंग और ट्रैफिक नियमों के सख्त पालन के प्रयास भी किए जा रहे हैं। इसके बावजूद दुर्घटनाओं का ग्राफ अपेक्षित रूप से कम नहीं हो पा रहा है। इसका सबसे बड़ा कारण नियमों की जानकारी का अभाव नहीं, बल्कि उन्हें नजरअंदाज करने की आदत है।

पवन गौतम
संपादक

उत्तर प्रदेश के शहरों और कस्बों में अक्सर देखा जाता है कि लोग हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए पहनते हैं। कई वाहन चालक मोबाइल पर बात करते हुए वाहन चलाते हैं। ओवरलोडिंग, गलत दिशा में वाहन चलाना और तेज रफ्तार से स्टंट करना युवाओं के बीच एक खतरनाक प्रवृत्ति बनती जा रही है। यह लापरवाही केवल चालक की जान ही नहीं, बल्कि दूसरों की जिंदगी को भी खतरे में डाल देती है।

यमुना एक्सप्रेसवे और पूर्वांचल एक्सप्रेसवे जैसे आधुनिक मार्गों पर भी कई बड़े हादसे हो चुके हैं। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि केवल बेहतर सड़कें बना देना पर्याप्त नहीं है। सुरक्षित यात्रा के लिए जिम्मेदार व्यवहार भी उतना ही जरूरी है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सड़क पर एक छोटी सी गलती कई परिवारों को जीवनभर का दुख दे सकती है। सड़क सुरक्षा को केवल पुलिस या परिवहन विभाग की जिम्मेदारी मानना उचित नहीं होगा। स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संगठनों को भी जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। बच्चों को शुरुआत से ही यातायात नियमों की शिक्षा दी जाए, ताकि वे जिम्मेदार नागरिक बन सकें। मीडिया और सोशल मीडिया भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

वास्तव में सड़क दुर्घटनाएं केवल आंकड़े नहीं होतीं, बल्कि इनके पीछे टूटते परिवार और बिखरते सपने होते हैं। उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा का लक्ष्य तभी हासिल होगा, जब हर नागरिक नियमों का पालन अपनी जिम्मेदारी समझे। कानून डर पैदा कर सकता है, लेकिन जागरूकता ही जीवन बचा सकती है। यही सुरक्षित और संवेदनशील समाज की पहचान है।

## नजरिया

# ब्रिटेन को बुलाने के सुझाव पर घिरे बालेन्द्र शाह

बोध प्रकाश सगुणी

भारत और नेपाल के संबंध सदियों पुराने सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक जुड़ाव पर आधारित रहे हैं। दोनों देशों के बीच खुली सीमा, पारिवारिक रिश्ते और ऐतिहासिक निकटता उन्हें दक्षिण एशिया में एक विशेष स्थान प्रदान करती है। हालांकि समय-समय पर कुछ मुद्दों को लेकर मतभेद भी सामने आते रहे हैं, जिनमें लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र से जुड़ा सीमा विवाद प्रमुख है। ऐसे संवेदनशील विषयों पर दोनों देशों ने हमेशा कूटनीतिक संवाद और शांतिपूर्ण बातचीत को ही समाधान का माध्यम माना है। लेकिन हाल ही में नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह द्वारा दिया गया बयान न केवल विवाद का कारण बना, बल्कि उनकी राजनीतिक और कूटनीतिक समझ पर भी सवाल खड़े कर गया। नेपाली संसद में बोलते हुए बालेन्द्र शाह ने दावा किया कि उन्हें प्रधानमंत्री बनने के बाद पता चला कि केवल भारत ने ही नेपाल की भूमि पर अतिक्रमण नहीं किया है, बल्कि नेपाल द्वारा भी कुछ स्थानों पर भारतीय भूमि का उपयोग या अतिक्रमण किया गया है। उन्होंने दोनों देशों से तथ्यों का अध्ययन कर विवाद सुलझाने की अपील की। पहली नजर में यह बयान संतुलित और आत्मालोचनात्मक प्रतीत हो सकता है, लेकिन समस्या तब उत्पन्न हुई जब इस दावे के समर्थन में कोई आधिकारिक तथ्य या दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। प्रधानमंत्री के इस बयान ने नेपाल के भीतर ही तीखी प्रतिक्रिया पैदा कर दी। विपक्षी दलों, पूर्व विदेश मंत्रियों, पूर्व राजदूतों और सीमा मामलों के विशेषज्ञों ने उनकी टिप्पणी को तथ्यहीन और गैर-जिम्मेदाराना बताया। कई नेताओं ने संसद के अभिलेखों से बयान हटाने की मांग की, जबकि कुछ ने प्रधानमंत्री से सार्वजनिक माफी मांगने तक की बात कही। पूर्व राजदूतों और सीमा विशेषज्ञों ने स्पष्ट कहा कि नेपाल द्वारा भारतीय भूमि पर आधिकारिक अतिक्रमण का कोई प्रमाण उपलब्ध नहीं है। इससे यह संदेश गया कि प्रधानमंत्री ने एक अत्यंत संवेदनशील विषय पर पर्याप्त तैयारी के बिना टिप्पणी कर दी। विवाद यहीं तक सीमित नहीं रहा। बालेन्द्र शाह ने सीमा विवाद के समाधान के लिए ब्रिटेन को भी भूमिका देने का सुझाव दे डाला। उनका तर्क था कि वर्तमान सीमाओं की पृष्ठभूमि औपनिवेशिक काल से जुड़ी हुई है, इसलिए ब्रिटेन की भी इसमें रुचि होनी चाहिए। यही वह बिंदु था जिसने उनके बयान को और अधिक विवादास्पद बना दिया।

भारत और नेपाल के बीच सीमा विवाद हमेशा द्विपक्षीय विषय रहा है। दोनों देशों ने कई बार दोहराया है कि इस प्रकार के मुद्दों का समाधान आपसी बातचीत, तकनीकी सर्वेक्षण और ऐतिहासिक दस्तावेजों के आधार पर किया जाएगा। ऐसे में किसी तीसरे पक्ष, विशेषकर ब्रिटेन, को इस प्रक्रिया में शामिल करने का सुझाव न तो व्यावहारिक दिखाई देता है और न ही कूटनीतिक परंपराओं के अनुरूप।

भारत लंबे समय से अपने पड़ोसी देशों के साथ सीमा और सुरक्षा संबंधी विवादों को द्विपक्षीय ढांचे में सुलझाने की नीति अपनाता रहा है। चाहे मामला पाकिस्तान का हो, चीन का हो या नेपाल का, भारत हमेशा तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से दूरी बनाए रखने की बात कहता आया है। इस स्थापित नीति को देखते हुए ब्रिटेन को आमंत्रित करने का विचार शुरू से ही अवास्तविक प्रतीत हुआ।

वास्तव में, सीमा विवाद जैसे विषय केवल राजनीतिक बयानबाजी का मुद्दा नहीं होते। इनके पीछे राष्ट्रीय सुरक्षा, सामरिक हित, ऐतिहासिक दावे और अंतरराष्ट्रीय संबंधों की जटिलताएं जुड़ी होती हैं। लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्र भारत, नेपाल और चीन के त्रिसीमा क्षेत्र के निकट स्थित हैं। यह इलाका केवल धार्मिक यात्राओं का मार्ग नहीं है, बल्कि सामरिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। चीन की बढ़ती सक्रियता और हिमालयी क्षेत्र में बदलते भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच इस क्षेत्र का महत्व और बढ़ गया है। इसलिए इस विषय पर दिया गया कोई भी बयान व्यापक प्रभाव छोड़ सकता है।

बालेन्द्र शाह के बयान के बाद नेपाल के विदेश मंत्रालय को सफाई जारी करनी पड़ी। मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री का आशय यह नहीं था कि नेपाल ने आधिकारिक रूप से भारतीय भूमि पर कब्जा किया है। मंत्रालय ने सीमा स्तंभों की कमी, दशगजा क्षेत्र और सीमापार भूमि उपयोग जैसी व्यावहारिक समस्याओं का उल्लेख करते हुए स्थिति स्पष्ट करने का प्रयास किया। लेकिन यह तथ्य भी सामने आया कि प्रधानमंत्री की टिप्पणी ने सरकार को असहज स्थिति में डाल दिया था।

किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में नेताओं के बयान केवल व्यक्तिगत राय नहीं माने जाते, बल्कि उन्हें सरकार की सोच और नीति के रूप में देखा जाता है। विशेष रूप से जब बात प्रधानमंत्री जैसे सर्वोच्च पद पर बैठे व्यक्ति की हो, तब शब्दों का चयन और तथ्यों की सटीकता अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। बिना पर्याप्त प्रमाण और तैयारी के दिए गए बयान न केवल देश की आधिकारिक स्थिति को कमजोर करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा सकते हैं।

भारत और नेपाल के बीच मतभेद अवश्य हैं, लेकिन दोनों देशों के संबंध केवल सीमा विवाद तक सीमित नहीं हैं। व्यापार, ऊर्जा, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और लोगों के बीच गहरे रिश्ते दोनों देशों को जोड़ते हैं। ऐसे में विवादों का समाधान भावनात्मक या सनसनीखेज बयानों से नहीं, बल्कि धैर्यपूर्ण और जिम्मेदार कूटनीति से ही संभव है।

बालेन्द्र शाह का हालिया बयान इस बात का उदाहरण है कि अंतरराष्ट्रीय संबंधों से जुड़े विषयों पर राजनीतिक लोकप्रियता की अपेक्षा गंभीरता और परिपक्वता अधिक आवश्यक होती है। सीमा विवाद जैसे संवेदनशील मुद्दों पर तथ्यों, इतिहास और कूटनीतिक मर्यादाओं को ध्यान में रखकर ही टिप्पणी की जानी चाहिए। अन्यथा, विरोधी देशों से अधिक अपने ही देश के भीतर आलोचना का सामना करना पड़ सकता है। नेपाल के प्रधानमंत्री के साथ इस प्रकरण में कुछ ऐसा ही होता दिखाई दिया, जहां भारत को घेरने का प्रयास अंततः उनकी अपनी राजनीतिक असहजता का कारण बन गया।

## विचार विण्डो

# हिंसा छोड़ लोकतंत्र को मजबूत बनाएं सभी दल

राम प्रकाश अग्रवाल

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर उस पुराने सवाल के घेरे में है, जिसका जवाब देश दशकों से तलाश रहा है-क्या लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने का नाम है, या फिर इसका असली अर्थ है असहमति के बावजूद शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व? हाल ही में अभिषेक बनर्जी और कल्याण बनर्जी पर हुए हमले इस प्रश्न को और गंभीर बना देते हैं। यह घटनाएं केवल दो नेताओं पर हमला नहीं हैं, बल्कि उस राजनीतिक संस्कृति पर चोट हैं, जो लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करती है।

भारत के अधिकांश राज्यों में सत्ता परिवर्तन एक सामान्य प्रक्रिया है। चुनाव होते हैं, परिणाम आते हैं और सरकारें बदल जाती हैं। लेकिन पश्चिम बंगाल इस सामान्य लोकतांत्रिक प्रवाह से अक्सर अलग दिखाई देता है। यहां राजनीतिक प्रतिस्पर्धा केवल विचारों की नहीं, बल्कि कई बार टकराव और हिंसा की शक्ल ले लेती है। यही कारण है कि बंगाल की राजनीति पर लंबे समय से यह सवाल उठता रहा है कि क्या यहां लोकतंत्र पूरी तरह स्थापित हो पाया है या अभी भी संघर्ष के दौर में है।

इतिहास पर नजर डालें तो बंगाल में राजनीतिक हिंसा कोई नई घटना नहीं है। 1946 के दंगे, नोआखली की हिंसा, नक्सलबाड़ी आंदोलन और 1970 के दशक के कई घटनाक्रम इस बात की गवाही देते हैं कि यहां राजनीतिक असंतोष कई बार हिंसक रूप ले चुका है। वाम मोर्चा के लंबे शासनकाल में भी राजनीतिक संघर्ष कई बार सड़क पर दिखाई दिया। सत्ता बदलने के बाद उम्मीद थी कि स्थिति बदलेगी, लेकिन 2011 के बाद भी पूरी तरह बदलाव नहीं आया।

तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद राजनीतिक समीकरण बदले, लेकिन हिंसा का स्वरूप पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ। भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच टकराव ने कई बार हिंसक घटनाओं का रूप लिया। आरोप-प्रत्यारोप के बीच सबसे अधिक नुकसान उन आम कार्यकर्ताओं का हुआ, जो केवल राजनीतिक विचारधारा से जुड़े होते हैं।

यह स्थिति लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी चिंता का विषय है, क्योंकि जब राजनीति का केंद्र विचार नहीं बल्कि डर बन जाए, तो लोकतंत्र कमजोर होने लगता है। हाल के वर्षों में कई रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा की घटनाएं अन्य राज्यों की तुलना में अधिक रही हैं। हालांकि आंकड़ों और दावों पर राजनीतिक बहस जारी रहती है, लेकिन जमीनी सच्चाई यह है कि यहां राजनीतिक टकराव अक्सर कानून-व्यवस्था की सीमा को पार कर जाता है। यह स्थिति न केवल राज्य की छवि को प्रभावित करती है, बल्कि निवेश, विकास और सामाजिक स्थिरता पर भी असर डालती है। लोकतंत्र की असली ताकत उसकी सहनशीलता में होती है। जब सत्ता और विपक्ष दोनों एक-दूसरे को स्वीकार करते हुए आगे बढ़ते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है। लेकिन जब असहमति को दुश्मनी में बदल दिया जाता है, तो लोकतंत्र की नींव हिलने लगती है। बंगाल की वर्तमान स्थिति इस चेतावनी को बार-बार दोहराती है कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को कभी भी व्यक्तिगत या हिंसक रूप नहीं देना चाहिए। यह भी ध्यान देने योग्य है कि 2021 के बाद के समय में बड़े पैमाने पर हिंसा की घटनाओं में कुछ कमी देखी गई है, जो एक सकारात्मक संकेत है। लेकिन हाल की घटनाएं यह बताती हैं कि समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। राजनीतिक दलों के नेताओं पर हमले यह दर्शाते हैं कि जमीनी स्तर पर तनाव अभी भी मौजूद है और उसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है।

राज्य सरकार की जिम्मेदारी इस संदर्भ में सबसे महत्वपूर्ण हो जाती है। कानून-व्यवस्था को मजबूत करना, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करना और राजनीतिक हिंसा पर सख्त कार्रवाई करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। केवल घोषणाओं से नहीं, बल्कि ठोस प्रशासनिक कदमों से ही स्थिति में सुधार संभव है। साथ ही विपक्ष की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी है। लोकतंत्र केवल सत्ता पक्ष का नहीं होता, बल्कि विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। विरोध को हिंसा या प्रतिशोध का रूप देना किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकता।

राजनीतिक दलों को यह समझना होगा कि उनका संघर्ष विचारधारा का होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत प्रतिशोध का। पश्चिम बंगाल की जनता ने हमेशा राजनीतिक चेतना दिखाई है। यहां के लोग विचारों को समझने और मतदान के माध्यम से निर्णय लेने में सक्षम हैं। ऐसे में राजनीतिक दलों को भी जनता के इस विवेक का सम्मान करना चाहिए। हिंसा न केवल लोकतंत्र को कमजोर करती है, बल्कि आम नागरिकों का विश्वास भी तोड़ती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि सभी राजनीतिक दल मिलकर एक साझा संकल्प लें कि हिंसा किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। यह संकल्प केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देना चाहिए। कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करना, स्थानीय स्तर पर संवाद बढ़ाना और विवादों को कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से हल करना आवश्यक है। यदि बंगाल को वास्तव में विकास की राह पर आगे बढ़ना है, तो उसे हिंसा के इस चक्र से बाहर निकलना होगा। निवेश, रोजगार और सामाजिक स्थिरता तभी संभव है जब राजनीतिक माहौल शांतिपूर्ण हो। कोई भी राज्य तब तक आगे नहीं बढ़ सकता, जब तक वहां डर और असुरक्षा का माहौल बना रहे।

लोकतंत्र केवल मतदान का अधिकार नहीं है, बल्कि यह शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व का नाम है। जब तक राजनीतिक दल इस मूल भावना को नहीं समझेंगे, तब तक विकास की गति बाधित होती रहेगी।

बंगाल के लिए यह समय आत्ममंथन का है, और देश के लिए यह एक सीख है कि लोकतंत्र की रक्षा केवल कानून से नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कारों से भी होती है।

# अफगानिस्तान टेस्ट से पहले टीम इंडिया की बढ़ी टेंशन

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** भारत और अफगानिस्तान के बीच 6 जून से मुल्लांपुर में खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से पहले भारतीय टीम के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज के खेलने को लेकर अभी भी स्थिति पूरी तरह साफ नहीं है। टीम इंडिया मुकाबले की तैयारियों में जुटी हुई है, लेकिन सिराज की फिटनेस और वर्कलोड पर अंतिम फैसला अभी बाकी है। मोहम्मद सिराज हाल के महीनों में लगातार क्रिकेट खेलते रहे हैं। आईपीएल 2026 में उन्होंने अपनी टीम के लिए सभी मुकाबले खेले और फाइनल तक का सफर तय किया। लगातार मैच खेलने के कारण टीम प्रबंधन उनके वर्कलोड को लेकर सतर्क है। ऐसे में उन्हें आराम देने पर भी विचार किया जा रहा है। हालांकि इस बारे में अंतिम फैसला मैच से पहले लिया जाएगा। भारतीय टीम के लिए चिंता की बात यह भी है कि जसप्रीत बुमराह को

पहले ही आराम दिया जा चुका है। वहां कुछ अन्य तेज गेंदबाज चोट की समस्या से जूझ रहे हैं। ऐसे में अगर सिराज भी उपलब्ध नहीं होते हैं तो भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण का अनुभव काफी कम हो जाएगा। ऐसी स्थिति में प्रसिद्ध कृष्णा पर बड़ी जिम्मेदारी आ सकती है। उन्हें पेस अटैक की अगुवाई करनी पड़ सकती है। वहीं उनके साथ युवा तेज गेंदबाज औकिब नबी को मौका मिलने की संभावना भी जताई जा रही है। औकिब नबी ने घरेलू क्रिकेट, खासकर रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया है और अपनी तेज गेंदबाजी से चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा है। हाल ही में उन्हें भारतीय टीम के साथ नेट बॉलर के रूप में जोड़ा गया है। माना जा रहा है कि अगर सिराज अंतिम समय में बाहर होते हैं तो औकिब नबी को टीम में शामिल कर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण का अवसर दिया जा सकता है। अब सभी की नजरें अगले दो–तीन दिनों पर टिकी हैं। टीम प्रबंधन सिराज की स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। अगर वह फिट घोषित होते हैं तो भारत को बड़ा सहारा मिलेगा, लेकिन अगर वह नहीं खेलते हैं तो टीम को नई रणनीति के साथ मैदान में उतरना पड़ सकता है। ऐसे में अफगानिस्तान टेस्ट से पहले सिराज की फिटनेस सबसे बड़ा चर्चा का विषय बन गई है।

## अब कौन बनेगा प्रसिद्ध कृष्णा का जोड़ीदार

## रिलीज से पहले ही 'पेडडी' का धमाका

### एडवांस बुकिंग में दिखा जबरदस्त क्रेज

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राम चरण और जाह्नवी कपूर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पेडडी' 4 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रिलीज से पहले ही फिल्म ने एडवांस बुकिंग में शानदार प्रदर्शन कर बॉक्स ऑफिस पर बड़े धमाके के संकेत दे दिए हैं। फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर दक्षिण भारत में इसका क्रेज काफी अधिक है। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म ने एडवांस बुकिंग और ब्लॉक सीट्स के जरिए 14 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है। वहीं ग्रॉस कलेक्शन 8.71 करोड़ रुपये के करीब पहुंच चुका है। अब तक 3.61 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं, जो फिल्म की मजबूत ओपनिंग की ओर इशारा करते हैं। ट्रेड विशेषज्ञों का मानना है कि राम चरण का स्टारडम पहले दिन फिल्म को डबल डिजिट ओपनिंग दिला सकता है। अनुमान लगाया जा रहा है कि फिल्म दुनियाभर में पहले दिन लगभग 35 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर सकती है। सबसे ज्यादा बुकिंग तेलुगु भाषा में देखने को मिली है। फिल्म का निर्देशन बुची बाबू ने किया है। इसमें राम चरण, जाह्नवी कपूर, शिवा राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु शर्मा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित यह स्पोर्ट्स ड्रामा एक ऐसे युवा की कहानी है, जो क्रिकेट और कुश्ती के जरिए अपने गांव की पहचान बनता है और अन्याय के खिलाफ खड़ा होता है। अब सभी की नजरें फिल्म की पहले दिन की कमाई पर टिकी हैं।

## क्या तीसरी बार दूल्हा बनेंगे आमिर खान

### शादी की खबरों ने बढ़ाई हलचल

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर अपनी पार्टनर गौरी स्प्रैट के साथ शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन शादी की खबरों ने सोशल मीडिया पर हलचल बढ़ा दी है। रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों 5 जुलाई को रजिस्टर्ड मै रिज कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि यह समारोह बेहद निजी होगा, जिसमें केवल परिवार के सदस्य और करीबी दोस्त शामिल होंगे। शादी को लेकर तैयारियां शुरू होने की भी चर्चा है। आमिर खान ने कुछ समय पहले अपने जन्मदिन पर गौरी स्प्रैट को सार्वजनिक रूप से अपनी पार्टनर के रूप में परिचित कराया था। उन्होंने बताया था कि वे एक–दूसरे को करीब 20 सालों से जानते हैं, लेकिन उनका रिश्ता पिछले कुछ वर्षों में मजबूत हुआ है। इसके बाद दोनों कई कार्यक्रमों और पारिवारिक आयोजनों में साथ नजर आए। दिलचस्प बात यह है कि आमिर पहले कह चुके हैं कि उनके लिए रिश्ते की मजबूती ज्यादा मायने रखती है और शादी जरूरी नहीं है। इसके बावजूद अब शादी की खबरों ने प्रशंसकों की उत्सुकता बढ़ा दी है। आमिर खान की पहली शादी रीना दत्ता और दूसरी शादी किरण राव से हुई थी। दोनों रिश्तों के खत्म होने के बाद अब यदि आमिर और गौरी विवाह करते हैं, तो यह उनकी तीसरी शादी होगी। फिलहाल सभी की नजरें आमिर खान की ओर से होने वाले आधिकारिक ऐलान पर टिकी हुई हैं।

### 'मेड इन इंडिया: ए टाइटन स्टोरी'

## नसीरुद्दीन शाह का ठहराव और जिम सरभ का जुनून, दिल छू जाती है

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** 'मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' सिर्फ एक कंपनी की सफलता की कहानी नहीं है, बल्कि यह उन लोगों के सपनों, संघर्षों और दूरदर्शिता का सफर है जिन्होंने भारतीय उद्योग जगत में एक नया इतिहास रचा। निर्देशक रॉबी ग्रेवाल की यह बायोग्राफिकल ड्रामा सीरीज टाइटन ब्रांड के उदय को बेहद ईमानदारी के साथ दर्शाती है। सीरीज की सबसे बड़ी ताकत इसके कलाकार हैं। नसीरुद्दीन शाह ने जेआरडी टाटा के किरदार में अपने शांत, संतुलित और प्रभावशाली अभिनय से जान डाल दी है। वहीं जिम सरभ जक्र्सिस देसाई के रूप में ऊर्जा जुनून और नेतृत्व क्षमता का शानदार प्रदर्शन करते हैं। दोनों कलाकारों की केमिस्ट्री कहानी को मजबूती देती है और दर्शकों को हर एपिसोड से जोड़े रखती है। कहानी

टाइटन के शुरुआती संघर्षों, बड़े फैसलों और बाजार में अपनी पहचान बनाने की यात्रा को दिखाती है। यह सिर्फ कारोबारी उपलब्धियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि रिश्तों, चुनौतियों, असफलताओं और टीमवर्क को भी बखूबी सामने लाती है। जेआरडी टाटा और जक्र्सिस देसाई के बीच का रिश्ता इस कहानी की भावनात्मक रीढ़ बनकर उभरता है। तकनीकी दृष्टि से भी सीरीज काफी मजबूत है। पुरानी तस्वीरों, वास्तविक फुटेज और उस दौर के माहौल को बेहद खूबसूरती से दोबारा रचा गया है। पुराने हिंदी और तमिल गीत कहानी को और अधिक प्रामाणिक बनाते हैं। बैकग्राउंड स्कोर भी कहानी के भावनात्मक प्रभाव को बढ़ाने का काम करता है। हालांकि, सीरीज कुछ जगहों पर कमजोर भी पड़ती है। कई दृश्य जरूरत से ज्यादा लंबे लगते हैं, जिससे कहानी की रफ्तार धीमी हो जाती है। खासकर अंतिम दो एपिसोड में जल्दबाजी महसूस होती है। जिस भव्यता के साथ कहानी आगे बढ़ती है, उसका अंत उतना प्रभावशाली नहीं बन पाता। इसके बावजूद 'मेड इन इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' एक प्रेरणादायक और देखने लायक सीरीज है। शानदार अभिनय, मजबूत विषय और भावनात्मक गहराई इसे खास बनाते हैं। यह सीरीज याद दिलाती है कि बड़े सपने, सही नेतृत्व और लगातार मेहनत किसी भी विचार को सफलता की उंचाइयों तक पहुंचा सकते हैं। कुल मिलाकर यह एक अच्छी और असरदार प्रस्तुति है, जिसे 5 में से 3 स्टार दिए जा सकते हैं।

### वैभव को विराट का खास गुरुमंत्र

## 'एक बिहारी सब पर भारी'

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** फाइनल के बाद युवा बल्लेबाज से मिले कोहली, कहा– लोगों की नहीं, अपनी मेहनत की सुनो आईपीएल 2026 के फाइनल के बाद विराट कोहली और वैभव सूर्यवंशी की मुलाकात चर्चा का विषय बन गई है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की खिताबी जीत के बाद दोनों खिलाड़ियों के बीच हुई बातचीत का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। महज 15 साल के वैभव सूर्यवंशी ने इस सीजन अपने बल्ले से धमाल मचाते हुए 776 रन बनाए और ऑरेंज कैप अपने नाम की। इसके अलावा उन्होंने इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन, मोस्ट वैल्युएबल प्लेयर, सुपर स्ट्राइकर और सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन जैसे बड़े अवॉर्ड भी जीते। पूरे टूर्नामेंट में उनके बल्ले से 72 छक्के निकले, जो एक नया रिकॉर्ड है। अवॉर्ड समारोह के दौरान विराट कोहली खुद वैभव से मिलने पहुंचे और उन्हें भविष्य के लिए महत्वपूर्ण सलाह दी। कोहली ने कहा कि जो सफलता मिली है, वह कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास का नतीजा है। उन्होंने युवा खिलाड़ी को लोगों की आलोचना और टिप्पणियों से प्रभावित न होने की सलाह दी। बातचीत के दौरान कोहली ने मुस्कुराते हुए कहा, "एक बिहारी सब पर भारी, बाकी गेम खत्म।" यह संवाद अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। फैंस इसे वैभव के लिए विराट का खास आशीर्वाद और प्रेरणादायक संदेश मान रहे हैं। यह मुलाकात आईपीएल 2026 के सबसे यादगार पलों में शामिल हो गई है।

## 7 साल बाद फिर दिखेगा वनडे का रोमांच

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** वर्ल्ड कप 2027 की तैयारी को मिलेगा बड़ा मंच, रोहित–विराट पर रहेंगी नजरें भारतीय क्रिकेट टीम करीब सात साल बाद पांच मैचों की वनडे सीरीज खेलने जा रही है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार दोनों टीमों के बीच पांच टी 20, पांच वनडे और दो टेस्ट मैच खेले जाएंगे। यह सीरीज अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत ने आखिरी बार साल 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ ही पांच वनडे मैचों की सीरीज खेली थी। उस समय टीम की कप्तानी विराट कोहली के हाथों में थी और भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सीरीज 4–1 से अपने नाम की थी। उस दौरे में रोहित शर्मा ने बल्ले से कमाल दिखाया था, जबकि मोहम्मद शमी को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था। पिछले कुछ वर्षों में टी20 लीग और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट बढ़ने के कारण ज्यादातर द्विपक्षीय वनडे सीरीज तीन मैचों तक सीमित हो गई हैं। ऐसे में पांच वनडे मैचों की यह सीरीज खिलाड़ियों को अपनी तैयारी परखने का बेहतरीन अवसर देगी। अगले साल होने वाले आईसीसी वनडे विश्व कप 2027 को देखते हुए यह दौरा टीम इंडिया के लिए काफी अहम माना जा रहा है। साथ ही फैंस की निगाहें रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे अनुभवी खिलाड़ियों पर भी टिकी रहेंगी।

## रोहित–विराट पर रहेंगी सभी की निगाहें

### प्रयागराज हत्याकांड में बेटे की निकली खौफनाक साजिश

# बेटे ने दोस्त संग मिलकर की परिवारीजनों की हत्या

**यूनिक समय, प्रयागराज।** शहर के साउथ मलाका में हुए चर्चित चारहरे हत्याकांड का पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि कारोबारी वीरेंद्र वैश्य, उनकी पत्नी अनीता, बेटी मीनाक्षी और बेटे अभिषेक की मौत के पीछे कोई बाहरी गैंग नहीं, बल्कि खुद अभिषेक वैश्य की साजिश थी।

पुलिस के अनुसार अभिषेक ने अपने दोस्त शनि गुप्ता के साथ मिलकर माता–पिता और बहन की हत्या की योजना बनाई थी। 31 मई की रात दोनों ने पहले घर में बैठकर शराब पी और फिर लोहे की रॉड तथा अन्य हथियारों से तीनों की हत्या कर दी। वारदात के बाद घर में रखे सोने–चांदी के जेवर और नकदी समेट ली गई।

हालांकि लूट के माल के बंटवारे को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। लालच में आकर शनि गुप्ता ने अभिषेक की भी हत्या कर दी। इसके बाद उसने सबूत मिटाने के लिए घर में सफाई की और जांच को गुमराह करने की कोशिश की। उसने एक गत्ते पर संदेश लिखकर हत्या का आरोप परिवार के अन्य सदस्यों पर डालने की साजिश भी रची।

सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने शनि गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने पूरे घटना क्रम का खुलासा कर दिया।

आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त लोहे का पाइप, एक किलो से अधिक सोने के आभूषण, चांदी के जेवर और नकदी बरामद की गई है।

यह हत्याकांड तब सामने आया जब मकान से दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। जांच में चारों शव अलग–अलग कमरों से बरामद हुए थे। मामले का खुलासा करने वाली पुलिस टीम को 50 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

## जेवर बंटवारे में खुद भी मारा गया

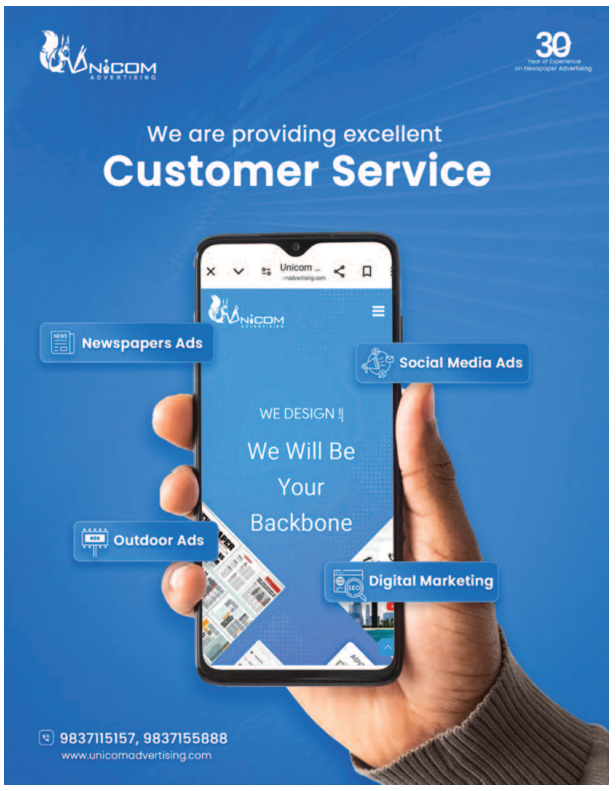


# एआई और चालान से पकड़ा गया फरार लुटेरा

## पच्चीस साल बाद पुलिस के हत्थे चढ़ा

## दिल्ली में बदलकर पहचान जी रहा था

संभावित तस्वीर तैयार कर विभिन्न राज्यों की पुलिस को भेजी गई।

**यूनिक समय, आगरा।** करीब 25 वर्षों से फरार चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी सैमुअल को पुलिस ने एआई तकनीक और ट्रैफिक चालान की मदद से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी लूट और अपहरण के मामलों में वांछित था तथा वर्षों से पहचान बदलकर दिल्ली में रह रहा था।

पुलिस के अनुसार सैमुअल ने वर्ष 2002 में अपने साथियों के साथ लोहामंडी क्षेत्र में 1.75 लाख रुपये की लूट की थी। इसके बाद वह फरार हो गया और अलग–अलग नामों से जीवन बिताने लगा। पुलिस के पास उसका पुराना फोटो ही उपलब्ध था। ऐसे में एआई की मदद से उसकी वर्तमान जांच के दौरान दिल्ली में एक कार के ई–चालान में दर्ज फोटो से उसका चेहरा मेल खा गया। इसके बाद पुलिस ने छह महीने तक निगरानी और रेकी की। आखिरकार उसे दिल्ली के प्रेमनगर इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने बताया कि फरारी के दौरान सैमुअल ने शूटिंग का प्रशिक्षण लेकर खुद को शूटिंग कोच के रूप में स्थापित कर लिया था। उसकी पत्नी ताइक्वांडो कोच है। आरोपी सोशल मीडिया से दूर रहता था और अपनी असली पहचान छिपाने के लिए बेहद सावधानी बरतता था, लेकिन एक ट्रैफिक चालान ने आखिरकार उसे जेल पहुंचा दिया।

# टीजीटी परीक्षा में पकड़ा गया फर्जी अभ्यर्थी सॉल्वर

## बायोमेट्रिक जांच में खुली पूरी पोल

## डेढ़ लाख में हुआ था सौदा

**यूनिक समय, बरेली।** टीजीटी परीक्षा के पहले ही दिन बरेली में एक सॉल्वर पकड़े जाने से परीक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। इस्लामिया गर्ल्स इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर बायोमेट्रिक सत्यापन के दौरान आरोपी की पहचान उजागर हुई। वह दूसरे अभ्यर्थी की जगह परीक्षा देने पहुंचा था।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार युवक की पहचान आजमगढ़ निवासी प्रमोद के रूप में हुई है। वह विमल सिंह नामक परीक्षार्थी के स्थान पर परीक्षा दे रहा था। जांच में पता चला कि उसने दूसरे के आधार कार्ड पर अपना फोटो लगाकर परीक्षा केंद्र में प्रवेश करने की कोशिश की थी।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि यह सौदा डेढ़ लाख रुपये में तय हुआ था। इसके बाद पुलिस उसे हिरासत में लेकर कोतवाली ले गई, जहां उससे पूछताछ जारी है। मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक अधिकारी भी परीक्षा केंद्र पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

बरेली जिले में टीजीटी परीक्षा 20 केंद्रों पर आयोजित की जा रही है। दो दिनों में चार पालियों में होने वाली इस परीक्षा के लिए 32 हजार से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत हैं।

प्रशासन ने कड़ी सुरक्षा और निगरानी के दावे किए थे, लेकिन पहली पाली में ही सॉल्वर के पकड़े जाने से परीक्षा की पारदर्शिता पर सवाल उठने लगे हैं।

# बिना पीयूसीसी वाहनों को नहीं मिलेगा अब ईंधन

## एनसीआर में प्रदूषण घटाने की नई योजना

## एक अक्टूबर से लागू होगा नियम

**यूनिक समय, लखनऊ।** उत्तर प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए बड़ा फैसला लिया है। एक अक्टूबर 2026 से बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाण पत्र (पीयूसीसी) वाले वाहनों को पेट्रोल और डीजल नहीं दिया जाएगा।

मुख्य सचिव एस.पी. गोयल ने बताया कि एनसीआर के आठ जिलों में यह व्यवस्था लागू की जाएगी। इसके लिए 1,041 पेट्रोल पंपों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाए जाएंगे, जो वाहनों की पहचान कर पीयूसीसी की स्थिति की जांच करेंगे।

सरकार ने वर्ष 2026 में एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण का स्तर 30 से 35 प्रतिशत तक कम करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके तहत पुराने और प्रदूषण फैलाने वाले वाहनों को चरणबद्ध तरीके से हटाने की योजना भी बनाई गई है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार एनसीआर के जिलों में 26 लाख से अधिक पुराने वाहनों की पहचान की गई है। वहीं स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए बीएस–6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहित किया जाएगा। गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और मेरठ में 975 ई–बसें चलाने का लक्ष्य भी तय किया गया है।

# दिल्ली अग्निकांड पर सीएम योगी ने जताया शोक

## घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

**यूनिक समय, लखनऊ ।** दिल्ली के मालवीय नगर स्थित एक रेस्टोरेंट में हुए भीषण अग्निकांड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत दुखद और हृदय विदारक बताते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना जताई है।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि दिल्ली में हुई इस भीषण अग्नि दुर्घटना में जनहानि बेहद पीड़ादायक है। उन्होंने प्रभु श्रीराम से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।

बुधवार सुबह मालवीय नगर के हौज रानी क्षेत्र स्थित एक रेस्टोरेंट में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। आग तेजी से फैलने के कारण कई लोग इसकी चपेट में आ गए। हादसे में अब तक 21 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 37 लोग घायल बताए जा रहे हैं।

घटना के बाद दमकल, पुलिस और राहत दलों ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

# ताजमहल क्षेत्र में लूट करने वाले बदमाश गिरफ्तार

## पुलिस मुठभेड़ में दोनों आरोपियों के पैर में लगी गोली

## लूटी गई सोने की चेन और बाइक बरामद

**यूनिक समय, आगरा।** ताजमहल के हाई सिक्योरिटी जोन में पर्यटक से चेन लूट की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से लूटी गई सोने की चेन, लॉकेट, अवैध हथियार और वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई है।

रविवार को आंध्र प्रदेश के गुंटूर की रहने वाली पर्यटक माधवीलता अपनी सहेलियों के साथ ताजमहल घूमने के बाद कैंट रेलवे स्टेशन जा रही थीं। शिल्पग्राम के पास बाइक सवार बदमाश उनके गले से सोने की चेन छीनकर फरार हो गए थे।

घटना के बाद ताजमहल क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और संदिग्धों की पहचान की।

मंगलवार रात इनर रिंग रोड स्थित गढ़ी देवरी क्षेत्र में चेकिंग के दौरान पुलिस ने बाइक सवार दो युवकों को रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखकर दोनों भागने लगे और पीछा किए जाने पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने दोनों बदमाशों को घेर लिया। मुठभेड़ में दोनों के पैरों में गोली लगी, जिसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों की पहचान अंसार और करन के रूप में हुई है। दोनों शाहगंज क्षेत्र के निवासी हैं और उनके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

गिरफ्तारी के बाद पर्यटक माधवीलता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर उत्तर प्रदेश पुलिस की त्वरित कार्रवाई की सराहना की और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। पुलिस अब आरोपियों के अन्य आपराधिक मामलों की भी जांच कर रही है।

### मालवीय नगर छह मंजिला गेस्ट हाउस में लगी भीषण आग

# 21 लोगों की मौत,सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

## बिना एनओसी चल रहा था प्रतिष्ठान

## मृतकों में विदेशी नागरिक शामिल

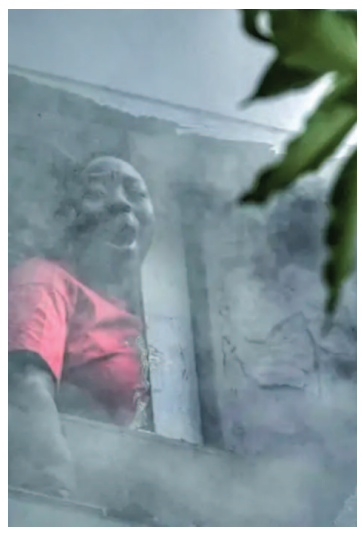

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** दक्षिण दिल्ली के मालवीय नगर इलाके में स्थित एक गेस्ट हाउस के बेसमेंट में बुधवार सुबह लगी भीषण आग ने 21 लोगों की जान ले ली। मृतकों में 17 विदेशी नागरिक शामिल बताए जा रहे हैं, जबकि 37 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे के बाद पूरे इलाके में अफरा–तफरी का माहौल बन गया और सुरक्षा मानकों को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार आग लगते ही गेस्ट हाउस में मौजूद लोग मदद के लिए चीखने–चिल्लाने लगे। स्थानीय लोगों ने इमारत के बाहर गद्दे बिछाकर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास किया, लेकिन कई कमरों की खिड़कियां और शीशे बंद होने के कारण लोग बाहर नहीं निकल सके। कुछ लोगों ने जान बचाने के लिए उंचाई से छलांग भी लगा दी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस भवन में आग लगी, वहां सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया था।

जानकारी के अनुसार गेस्ट हाउस के ऊपर केवल छह कमरों की अनुमति ली गई थी, लेकिन परिसर में करीब 25 कमरे संचालित किए जा रहे थे। इसके अलावा संबंधित प्रतिष्ठान के पास अग्निशमन विभाग की अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी नहीं थी।

स्थानीय लोगों ने बताया कि भवन में प्रवेश और निकास के लिए मुख्य रूप से एक ही दरवाजा था, जिस पर इलेक्ट्रॉनिक लॉक लगा हुआ था। आग लगने के बाद बिजली आपूर्ति बाधित होते ही यह लॉक बंद हो गया, जिससे अंदर फंसे लोगों के लिए बाहर निकलना मुश्किल हो गया। यही वजह रही कि बचाव कार्य में भी कई बाधाएं सामने आईं।

हादसे के कारणों को लेकर अभी जांच जारी है। मैक्स हेल्थकेयर की ओर से जारी बयान में आशंका जताई गई है कि सिलेंडर विस्फोट के कारण आग लगी हो सकती है। हालांकि दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग ने स्पष्ट किया है कि आग लगने के वास्तविक कारणों की आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी।

बताया जा रहा है कि गेस्ट हाउस में ठहरने वालों में नाइजीरिया, मोजाम्बिक, लाइबेरिया और बांग्लादेश के नागरिक भी शामिल थे। इनमें से कई लोग पास स्थित अस्पतालों में इलाज कराने के लिए दिल्ली आए हुए थे।

पुलिस के अनुसार गेस्ट हाउस के मालिक की पहचान लोकेश बजाज के रूप में हुई है। सूत्रों का कहना है कि इस प्रतिष्ठान का संचालन तीन साझेदार मिलकर कर रहे थे और इनके पास दिल्ली में अन्य होटल एवं गेस्ट हाउस भी हैं। जांच एजेंसियां अब भवन की वैधता, सुरक्षा प्रबंधों और संचालन से जुड़े सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही हैं।

यह हादसा एक बार फिर राजधानी में व्यावसायिक भवनों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और प्रशासनिक निगरानी की कमी को उजागर करता है। अब सभी की निगाहें जांच रिपोर्ट और दोषियों के खिलाफ होने वाली कार्रवाई पर टिकी हैं।

# होटल हादसे में मची जान बचाने की जंग

## आग से बचने खिड़कियों से कूदे लोग

## स्थानीय लोगों ने बचाई कई जानें

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** राजधानी के मालवीय नगर स्थित फ्लरिश स्टे होटल में बुधवार सुबह लगी भीषण आग के दौरान दिल दहला देने वाले दृश्य सामने आए। बेसमेंट में आग लगने के बाद धुआं और लपटें तेजी से पूरी इमारत में फैल गईं, जिससे होटल में ठहरे लोग फंस गए।

जान बचाने के लिए कई लोगों ने खिड़कियां तोड़ दीं, जबकि कुछ लोग ऊंची मंजिलों से नीचे कूद गए। एक महिला अपने बच्चे को सीने से लगाकर तीसरी मंजिल से कूद गई। स्थानीय लोगों ने गद्दे बिछाकर फंसे लोगों को बचाने का प्रयास किया और घायलों को कंधों पर उठाकर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाकर कई लोगों को बाहर निकाला। हादसे में 21 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हैं।

# डीके शिवकुमार बने कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री

## जी परमेश्वर ने डिप्टी सीएम पद संभाला

## तेरह मंत्रियों ने भी शपथ ली

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** कर्नाटक की राजनीति में बुधवार को नए अध्याय की शुरुआत हुई, जब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके शिवकुमार ने राज्य के 18वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। बेंगलुरु के लोक भवन स्थित ग्लास हाउस में आयोजित समारोह में राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

डीके शिवकुमार के साथ जी परमेश्वर ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इसके अलावा 12 अन्य नेताओं को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। आठ बार विधायक रह चुके शिवकुमार को कांग्रेस का संकटमोचक माना जाता है। वह वर्ष 2020 से कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष हैं और अपने लंबे राजनीतिक अनुभव के लिए जाने जाते हैं। वहीं जी परमेश्वर राज्य के प्रमुख दलित नेताओं में गिने जाते हैं और इससे पहले भी उपमुख्यमंत्री तथा गृह मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

नए मंत्रिमंडल में केएच मुनियप्पा, केजे जॉर्ज, एमबी पाटिल, रामलिंगा रेड्डी, सतीश जारकीहोली, प्रियांक खरगे, यूटी खादर, ईश्वर खंड्रे और अन्य वरिष्ठ नेताओं को स्थान मिला है। कांग्रेस नेतृत्व का दावा है कि नया मंत्रिमंडल क्षेत्रीय, सामाजिक और राजनीतिक संतुलन को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

# कैबिनेट ने 39290 करोड़ की छह परियोजनाएं की मंजूर

## एविएशन और हाईवे क्षेत्र को बढ़ावा

## चार राज्यों में सड़क नेटवर्क मजबूत

**यूनिक समय, नई दिल्ली।** केंद्रीय मंत्रिमंडल ने देश के बुनियादी ढांचे और विमानन क्षेत्र को मजबूती देने के लिए 39,290 करोड़ रुपये की छह बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन फैसलों का उद्देश्य परिवहन, कनेक्टिविटी और आर्थिक गतिविधियों को गति देना है। कैबिनेट ने विमानन कंपनियों को ईंधन कीमतों में उतार–चढ़ाव से राहत देने के लिए 10,000 करोड़ रुपये के एटीएफ प्राइस स्टेबलाइजेशन फंड को स्वीकृति दी है। इससे एयरलाइंस की परिचालन लागत नियंत्रित रखने और यात्रियों पर किराया बढ़ोतरी का दबाव कम करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा दिल्ली में वायु प्रदूषण कम करने के लिए पुराने ट्रकों और बसों को चरणबद्ध तरीके से हटाने की योजना को भी मंजूरी दी गई है। सड़क अवसंरचना के तहत ओडिशा, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और बिहार में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लिए 24,249 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन परियोजनाओं से माल परिवहन आसान होगा, व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सरकार का मानना है कि ये फैसले देश की आर्थिक विकास गति को और मजबूत करेंगे।

# भगवान के दरबार में आम श्रद्धालु बन रहे हैं वीआईपी

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, वृंदावन।** वीआईपी क्लचरल का जुनून इस समय आम लोगों के सिर चढ़कर बोल रहा है। यकीन नहीं हो रहा है कि ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर आकर देख लो। यहां भगवान के दरबार में सैकड़ों श्रद्धालु वीआईपी बनकर दर्शन करते हैं।

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं का हर दिन रिकार्ड टूट रहा है। श्रद्धालुओं की लंबी–लंबी लाइन देखकर ही स्थानीय श्रद्धालु हैरान रहते हैं। वजह भीड़ के कारण उनको सहज दर्शन नहीं हो पाते हैं। पिछले दो दिन पहले तो अत्याधिक भीड़ होने के कारण अनेक श्रद्धालु तो दर्शन किए बिना लौट गए। वजह थी कि कई उमस भरी गर्मी में बैचेनी होने लगी और वह घबराने लगे। इस कारण उन्होंने लौटना ही बेहतर समझा। धक्का- मुक्की के बीच गेट दो और तीन से मंदिर में प्रवेश करने के बाद श्रद्धालुओं को आंगन में एक अलग ही अनुभूति का अहसास होता है, लेकिन इनमें अनेक लोग ठाकुरजी के झलक नजदीक से पाने के लिए वीआईपी बनने से हिचकतें नहीं है। मंदिर के अंदर उनको कुछ लोग ऐसे मिल जाते हैं तो वह वीआईपी बनाकर दर्शन कराने का प्रलोभन देते हैं। फिर उनसे वीआईपी रसीद के नाम पर सुविधा शुल्क वसूल कर श्रद्धालुओं को वीआईपी बनाकर कठघरे में ले जाकर दर्शन कराते हैं। इशारे ही इशारे में सेवायत गोस्वामी से श्रद्धालु के गले में दुपट्टा, माला और प्रसाद दिलवाते है। इसी से श्रद्धालु प्रसन्न होकर लौटते हैं। बोलते हैं कि आज तो ठाकुरजी की कृपा मिल गई। अब उन श्रद्धालुओं की वेदना सुनिए, जो धक्का- मुक्की खाते हुए मंदिर के आंगन से अपने लाड़ले से नैन लड़ाकर सुकून महसूस करते हैं। वह कहते हैं कि ठाकुरजी के दरबार में कोई वीआईपी नहीं होता है। सभी को एक भक्त बनकर मंदिर में आना चाहिए। वीआईपी कठघरे से राज्यपाल, मुख्यमंत्री, मंत्री, अधिकारी समेत अन्य प्रमुख लोग दर्शन करते हैं। वहीं वीआईपी कठघरा निर्धारित शुल्क में आम श्रद्धालुओं को वीआईपी बना देता है। इस बारे में मंदिर कार्यालय में प्रबंधक और उप प्रबंधक से संपर्क कर यह जानने की कोशिश की कि रोजाना आम श्रद्धालु कितने वीआईपी बनते है, लेकिन फोन रिसीव न होने के कारण श्रद्धालुओं की संख्या नहीं दी जा रही है।

## तमिलनाडु–पुडुचेरी के विद्यार्थियों ने जाना ब्रज संस्कृति का वैभव

**यूनिक समय, मथुरा।** तमिलनाडु और पुडुचेरी से आए छात्र–छात्राओं के प्रतिनिधिमंडल ने गीता शोध संस्थान, रासलीला अकादमी वृंदावन का भ्रमण कर ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, परंपराओं, कला, शिल्प और लोक जीवन की विशेषताओं को करीब से जाना। आयोजित संगोष्ठी में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा ने ब्रज के प्रमुख मंदिरों की दर्शन परंपरा और उनके ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने रासलीला प्रशिक्षण, मंचन तथा गीता के प्रचार–प्रसार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी देते हुए कहा कि सांसद-कलाकार हेमा मालिनी भी दक्षिण भारत से संबंध रखती हैं और ब्रज की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण में सक्रिय योगदान दे रही हैं। गीता विशेषज्ञ डॉ. महेश चंद्र शर्मा ने गीता के राष्ट्रीय और वैश्विक महत्व पर चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संविधान की मूल भावना भी इसके सिद्धांतों से प्रेरणा ग्रहण करती है। वैज्ञानिक डॉ. शांति भूषण त्रिपाठी ने भी गीता के आध्यात्मिक और सामाजिक पक्षों के बारे में बताया।

### गीता शोध संस्थान में संगोष्ठी, सांस्कृतिक विरासत और गीता दर्शन पर हुआ विचार–विमर्श

जीएलए विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा के समन्वयक डॉ. अभिनव तिवारी ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल 'विद्या भारती उच्च शिक्षा संस्थान' के सहयोग से 1 से 10 जून तक आयोजित इंटर्नशिप कार्यक्रम के अंतर्गत मथुरा प्रवास पर है। इस मौके पर सुनील शर्मा,दीपक शर्मा,जीएलए विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. विजय मिश्रा,डॉ. रमाकांत राय, डॉ.पारितोष भट्ट,अनिल दुबे सहित काफी मौजूद रहे।

### पूर्व प्रधान अवनीश यादव हत्याकांड का खुलासा

## मुठभेड़ में दबोचे गए दो शूटर एक के पैर में लगी गोली

**यूनिक समय, आगरा।** बाह के जैतपुर क्षेत्र में पूर्व प्रधान अवनीश यादव की हत्या के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जबकि पुलिस का कहना है कि वारदात चुनावी रंजिश से जुड़ी हुई है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। बाह में चुनावी रंजिश पूर्व प्रधान की हत्या कर दी गई। आगरा–इटावा स्टेट हाईवे पर जैतपुर थाना क्षेत्र के प्यारम्पुरा गांव में सोमवार रात कोर्ट में गवाही देकर लौट रहे दो सगे भाइयों, पूर्व प्रधान अवनीश यादव और उपेंद्र यादव पर कार व बाइक सवार हमलावरों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। इस हमले में पूर्व प्रधान अवनीश यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके भाई उपेंद्र यादव गंभीर रूप से घायल हो गए।पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या के इस मामले का खुलासा किया है। संयुक्त पुलिस टीम ने मुठभेड़ के दौरान दो शातिर अभियुक्तों, कृष्णा यादव और शिव प्रताप उर्फ गेंदा को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान पुलिस की जवाबी कार्रवाई में शिव प्रताप उर्फ गेंदा के पैर में गोली लगी, जिसके बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पकड़े गए बदमाशों ने पूर्व प्रधान अवनीश यादव की हत्या को अंजाम देने के बाद दरोगा की सरकारी रिवाल्वर छीनने का प्रयास किया और पुलिस टीम पर फायरिंग भी की। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से हथियार भी बरामद किए हैं।

यह घटना चुनावी रंजिश का परिणाम बताई जा रही है। पुलिस अब इस मामले में आगे की जांच कर रही है ताकि अन्य संलिप्त अपराधियों का भी पता लगाया जा सके।

## पंचायत सहायकों की हड़ताल से सचिवालयों पर लटके ताले

**यूनिक समय, आगरा।** पंचायत सहायकों के कार्य बहिष्कार से 690 ग्राम सचिवालयों का कामकाज प्रभावित हो गया है। आय, जाति, निवास प्रमाण पत्र, जन्म–मृत्यु पंजीकरण और पेंशन आवेदन जैसी सेवाएं ठप होने से ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बायोमेट्रिक हाजिरी, मानदेय वृद्धि सहित 14 सूत्रीय मांगो को लेकर आंदोलित पंचायत सहायकों के कार्य बहिष्कार से ग्राम सचिवालयों पर ताले लटक गए हैं। आय, जाति, जन्म–मृत्यु प्रमाण पत्र से लेकर पेंशन आवेदन तक बंद हैं। इससे ग्रामीणों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

## सपा और कांग्रेस मिलकर लड़ेंगे विधानसभा चुनाव

प्रमुख संवाददाता

**यूनिक समय, लखनऊ ।** यूपी विधानसभा चुनाव में इस बार भी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस साथ मिलकर लड़ेंगे। टिकट बंटवारे को लेकर रणनीतिकारों ने मंथन शुरू कर दिया है।

गौरतलब है कि यूपी विधानसभा चुनाव दिसंबर या जनवरी में कराए जाने की सुगबुहाहट है। इसी को देखते हुए सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच मिलकर चुनाव लड़ने की चर्चा शुरु हो गई है। यदि ऐसा होता है कि यूपी विधानसभा चुनाव एक बार काफी संघर्ष वाला होगा। राजनीतिक गलियारों से खबर मिल रही है कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव इस बार चुनाव में फूंक- फूंक कर कदम उठाने के मूड़ में है। उन्होंने चुनाव मैदान में प्रत्याशियों को उतारने के लिए एक कंपनी से सर्वे भी कराया है। सभी सीटों से अंदरूनी तौर पर संभावित उम्मीदवारों के बारे में रिपोर्ट भी ली है। अब इस रिपोर्ट को संगठन के जिलाध्यक्ष समेत अन्य स्त्रोतों की रिपोर्ट से मिलान कराया जाएगा, उसके बाद ही प्रत्याशियों के बारे में निर्णय लिया जाएगा। कांग्रेस के लिए ऐसी सीटें दी जाएंगी, जहां से उसके प्रत्याशी जीत हासिल कर सकें। सपा प्रमुख कांग्रेस के साथ–साथ रालोद पर भी नजर लगाए हैं। उनके नजदीकी विश्वास पात्र नेता रालोद मुखिया जयंत चौधरी से संपर्क करने के लिए वक्त का इंतजार कर रहे हैं। वजह साफ है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में रालोद का दबदबा किसी से छिपा नहीं है।

### आयुष, यूनानी और होम्योपैथिक चिकित्सकों के सहयोग से तेज होगा टीबी मुक्त भारत अभियान

## टीबी उन्मूलन के लिए सभी चिकित्सा पद्धतियों की सहभागिता जरूरी

**यूनिक समय, मथुरा।** राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत जनपद में चल रहे 100 दिवसीय विशेष अभियान को सफल बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आयुष, यूनानी और होम्योपैथिक चिकित्सकों का सहयोग लेने की पहल की है। जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ. संजीव यादव ने कहा कि टीबी मुक्त भारत अभियान को सफल बनाने में सभी चिकित्सा पद्धतियों के चिकित्सकों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने बताया कि ग्रामीण और कस्बों में बड़ी संख्या में लोग सबसे पहले आयुष, यूनानी और होम्योपैथिक चिकित्सकों के पास उपचार के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में यदि संभावित टीबी मरीजों की समय रहते पहचान कर उन्हें जांच और उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ा जाए तो बीमारी के प्रसार को काफी हद तक रोका जा सकता है। डीटीओ ने चिकित्सकों से कहा कि जिन मरीजों को दो सप्ताह से अधिक समय से लगातार खांसी, बुखार, वजन कम होना, कमजोरी, सीने में दर्द या रात में अधिक पसीना आने जैसी शिकायतें हों, उन्हें तत्काल टीबी जांच के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि सरकारी अस्पतालों में टीबी की जांच और उपचार पूरी तरह निःशुल्क उपलब्ध है। डॉ.यादव ने कहा कि जनपद में संचालित 100 दिवसीय सघन टीबी खोज अभियान के तहत स्वास्थ्य विभाग की टीमें घर–घर सर्वे कर रही हैं।

जिला क्षय रोग अधिकारी (डीटीओ) डॉ. संजीव यादव

साथ ही एक्स–रे और आधुनिक जांच सुविधाओं के माध्यम से संभावित मरीजों की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि टीबी एक संक्रामक बीमारी है, लेकिन समय पर जांच और नियमित दवा लेने से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। इसलिए चिकित्सकों की जिम्मेदारी केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि लोगों को बीमारी के प्रति जागरूक करना भी उतना ही आवश्यक है।

## जलभराव से बेहाल विशम्भरा श्रद्धालुओं की बढ़ी मुश्किलें

**यूनिक समय, मथुरा।** अधिक मास में जहां जिले के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है, वहीं छाता तहसील के ग्राम विशम्भरा में जलभराव और गंदगी लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गई है। गांव के मुख्य मार्ग पर जमा पानी और कीचड़ के कारण ग्रामीणों के साथ–साथ मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव का यह प्रमुख मार्ग स्थानीय मंदिर तक पहुंचने का मुख्य रास्ता है। अधिक मास के दौरान प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां दर्शन के लिए आते हैं, लेकिन सड़क पर भरे गंदे पानी और कीचड़ से होकर गुजरना उनकी मजबूरी बन गया है। कई श्रद्धालुओं ने बताया कि रास्ते की बदहाल स्थिति के कारण उन्हें काफी दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। स्थानीय निवासी देवी सिंह के अनुसार यह गांव का सबसे व्यस्त मार्ग है, जिससे रोजाना सैकड़ों लोग गुजरते हैं। इसके बावजूद लंबे समय से जलनिकासी की कोई प्रभावी व्यवस्था नहीं की गई है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार संबंधित अधिकारियों और ग्राम प्रधान को समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अब तक केवल आश्वासन ही मिले हैं।

### मंदिर मार्ग पर गंदगी का अंबार

### ग्रामीणों ने प्रशासन से लगाई गुहार

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि लगातार जलभराव के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। गंदगी के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है। मामले की जानकारी मिलने के बाद ब्लॉक विकास अधिकारी नरेश कुमार ने स्थिति का संज्ञान लिया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मौके पर पहुंचकर जांच करने और जलनिकासी की समस्या का जल्द समाधान कराने के निर्देश दिए हैं।